सच्ची खबरें का मरकज़

R.N.I. No. UPHIN/2009/28569

आगाज़ टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक सामचार पत्र

वर्ष: 17 अंक: 06 | लखनऊ शनिवार 21 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: 1 रुपये

सीएम योगी ने 5100 परिवारों को दिया तोहफा

क्लिक से सीधे लाख रुपये

- 5100 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये हस्तांतरित किए गए।
- केवल भूतल पर 30-45 वर्गमीटर में बनेगा आवास।
- योजना पूरी तरह निःशुल्क, गुणवत्ता पर विशेष ध्यान।

लखीमपुर,(एजेंसी)। जिला नगरीय विकास अभिकरण के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 को जिले में बड़ी गति मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वन क्लिक के माध्यम से जिले के 5100 लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रति लाभार्थी एक–एक लाख रुपये की धनराशि स्थानांतरित की गई। धनराशि सीधे खातों में पहुंचने से पात्र परिवारों में उत्साह का माहौल है और अपने पक्के घर का सपना साकार होने की उम्मीद जगी है। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने स्पष्ट किया है कि प्राप्त धनराशि से आवास का निर्माण नियमानुसार ही कराया जाएगा। प्रत्येक लाभार्थी को न्यूनतम 30 वर्गमीटर तथा अधिकतम 45 वर्गमीटर क्षेत्रफल में ही मकान बनवाना होगा। यह भी अनिवार्य किया गया है कि आवास का निर्माण केवल भूतल पर ही किया जाए। किसी भी स्थिति में प्रथम या द्वितीय तल पर निर्माण को मान्य नहीं माना जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर अवमुक्त धनराशि की वसूली की जाएगी। निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। लाभार्थियों को हर हाल में आवास की छत आरसीसी की ही डलवानी होगी, ताकि भवन सुरक्षित और टिकाऊ बने। संबंधित विभाग द्वारा समय–समय पर निर्माण कार्य की निगरानी भी की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजनादृ शहरी पूरी तरह निश्शुल्क है। किसी भी लाभार्थी को किसी भी स्तर पर किसी प्रकार की धनराशि देने की आवश्यकता नहीं है। यदि कोई व्यक्ति योजना के नाम पर धन की मांग करता है तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की गई है। जिले में बड़ी संख्या में लाभार्थियों को एक साथ धनराशि हस्तांतरित होने से शहरी क्षेत्र में आवास निर्माण गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है।

क्या विपक्ष के पास नेतृत्व संकट?

- सामना के लेख में कई तीखे सवाल, राहुल-सीएम ममता का जिक्र

मुंबई,(एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) ने कहा है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन इस समय एक बड़े मोड़ पर खड़ा है और उसे जल्द तय करना होगा कि आगे नेतृत्व कौन करेगा। पार्टी के मुखपत्र श्सामनाश में छपे संपादकीय में सवाल उठाया गया कि क्या गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी, एम.के. स्टालिन या कोई अन्य नेता संभालेगा। महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी दल शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) ने बुधवार को दावा किया कि इंडिया ब्लॉक अब एक चौराहे पर खड़ा है, और उसे आंतरिक बहस से आगे बढ़कर यह तय करना होगा कि ममता बनर्जी, एमके. स्टालिन या कोई अन्य व्यक्ति राष्ट्रीय संकट में उनका नेतृत्व करेगा या नहीं। महत्वपूर्ण क्षेत्रीय चुनावों से पहले ब्लॉक और कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व को लेकर चल रही बहसें एकता को कमजोर करने की धमकी दे रही हैं। सामना के संपादकीय में क्या कहा गया? संपादकीय में कहा गया कि गठबंधन के अंदर आपसी मतभेद और अंदरूनी लड़ाई बढ़ रही है। आने वाले राज्यों के चुनाव से पहले यह स्थिति विपक्ष की एकता को कमजोर कर सकती है। इसे श्फ्रेंडली फायरश यानी अपने ही साथियों के बीच टकराव बताया गया। कहां आपसी टकराव की स्थिति? संपादकीय के मुताबिक अलग–अलग राज्यों में गठबंधन के दल एक–दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ते दिख रहे हैं। इसमें पश्चिम बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस आमने–सामने हैं, वहीं केरल में लेफ्ट और कांग्रेस में भी मुकाबला है। इसके साथ महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर विभाजन से भाजपा को फायदा हुआ है। शिवसेना यूबीटी का कहना है संसद का हंगामा अलग है, लेकिन देश में लोगों की सोच बदल रही है। विपक्षी इंडिया गठबंधन को जल्द फैसला करना होगा।

हम बार-बार झुकने वाले नहीं: एमके स्टालिन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा में संविधान संशोधन की मांग करते हुए सभी राज्यों के लिए पूर्ण स्वायत्तता का आह्वान किया है, उन्होंने केंद्र पर शक्तियों के केंद्रीकरण और वित्तीय अधिकारों के लिए राज्यों को संघर्ष करने पर मजबूर करने का आरोप लगाया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके

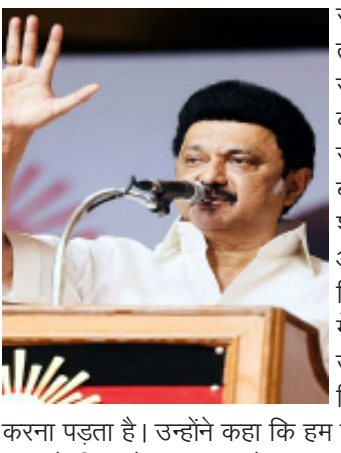

स्टालिन ने बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में संविधान में संशोधन की मांग करते हुए राज्य सरकारों को स्वायत्त निकायों में बदलने की बात कही और केंद्र पर सारी शक्ति अपने पास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को ऐसी स्थिति में धकेल दिया गया है जहां उसे अपने हक के फंड पाने के लिए केंद्र सरकार से संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें हर फंड के लिए केंद्र सरकार से लड़ना पड़ता है। कब तक हम इस स्थिति में रहेंगे जहां वे देते हैं और हम लेते हैं? केंद्र–राज्य संबंधों का अध्ययन करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट का पहला भाग विधानसभा में पेश कर दिया गया है। स्टालिन ने कहा कि संविधान में संशोधन करके राज्य सरकारों को पूर्ण रूप से सशक्त सरकारों में बदलना होगा। सभी राज्यों को स्वायत्तता मिलनी चाहिए। हम अभी भी ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें भूमि और वित्तीय शक्तियों पर अधिकार सुरक्षित करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

यूपी में निकलीं 98000+ नौकरियां

- 20+ शहरों में लगेगा रोजगार का महाकुंभ

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छा मौका है। फरवरी महीने में राज्य के कई जिलों में रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं, जहां फ्रेशर और अनुभवी दोनों उम्मीदवार सीधे इंटरव्यू देकर नौकरी पा सकते हैं। उत्तर प्रदेश में फ्रेशर और अनुभवी दोनों उम्मीदवारों के लिए बड़ी खुशखबरी है। 28 फरवरी तक राज्य के विभिन्न शहरों में 20 से अधिक रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं, जहां युवाओं को अलग–अलग सेक्टर में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। गोरखपुर, कानपुर, रायबरेली और प्रतापगढ़ सहित कई जिलों में 98000 से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। उम्मीदवार डेट और वेन्यू के अनुसार पूरी सूची देखकर अपने नजदीकी स्थल पर पहुंच सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी पहले से ही rojgaarsangam-up-gov-in की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके अलावा, मेले के स्थल पर भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी, ताकि बिना पूर्व पंजीकरण वाले उम्मीदवार भी मौके का लाभ उठा सकें। रोजगार मेले में जाने से पहले रखें ध्यान सभी एजुकेशनल सर्टिफिकेट्स और मार्कशीट साथ लेकर जाएं। जरूरी अन्य दस्तावेजों की फोटोकॉपी भी रखें। अपना आधार कार्ड और पैन कार्ड जरूर साथ रखें। 2–3 पासपोर्ट साइज फोटो साथ रखें। चयन होने की स्थिति में इन दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ेगी। अधिक जानकारी के लिए रोजगार संगम की आधिकारिक वेबसाइट जरूर देखें। कौन कर सकता है आवेदन? इन रोजगार मेलों में 10वीं पास, 12वीं, आईटीआई, ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट सभी श्रेणी के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। अलग–अलग कंपनियां और सेक्टर अपनी आवश्यकता के अनुसार उम्मीदवारों का चयन करेंगे। तारीख वैकेंसी जगह पता 19 फरवरी 2026 900 देवरिया छैप्ब लाइवलीहुड बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, सीसी रोड,ैठप् के बगल में 20 फरवरी 2026 541 प्रतापगढ़ सरयू इंद्रा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, संग्रामगढ़ 21 फरवरी 2026 4034 प्रयागराज विवेकानंद निजी आईटीआई, भावापुर, शिवगढ़, सोरांव 21 फरवरी 2026 484 गोरखपुर राजकीय आईटीआई चरगावा 21 फरवरी 2026 464 गोंडा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, करनैलगंज 21 फरवरी 2026 395 चंदौली गवर्नमेंट आईटीआई खेसा 21 फरवरी 2026 1560 कानपुर नगर डीबीएस कॉलेज, गोविंद नगर 21 फरवरी 2026 975 पीलीभीत उपाधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय 23 फरवरी 2026 346 उन्नाव चौधरी खजान सिंह कॉलेज 24–26 फरवरी 2026 11890 मेरठ आईटीआई विश्वविद्यालय, गंगानगर 24 फरवरी 2026 4223 मुरादाबाद पॉलीटेक्निक परिसर, कॉठ रोड 25 फरवरी 2026 8631 मिर्जापुर जीडी बिनानी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज 25 फरवरी 2026 500 भदौही जिला रोजगार कार्यालय, ज्ञानपुर 25 फरवरी 2026 18020 सहारनपुर क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय।

पायजामे का नाड़ा खींचना दुष्कर्म की कोशिश: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश को पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पायजामे का नाड़ा खींचना दुष्कर्म की कोशिश है। इससे पहले उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में नाड़ा खींचने को दुष्कर्म की तैयारी बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पायजामे का नाड़ा खींचना और स्तन छूना साफ तौर पर दुष्कर्म की कोशिश है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का विवादित फैसला भी पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि नाड़ा खींचना या तोड़ना सिर्फ दुष्कर्म करने की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की और 10 फरवरी को

उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने का आदेश दिया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो कानून के तहत आरोपियों के खिलाफ लगे सख्त आरोपों को भी बहाल कर दिया। क्या है मामला 10 नवंबर 2021 को एक महिला ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि वह और उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी उसकी ननद के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान उनके गांव के ही पवन, आकाश और अशोक ने उनकी बेटी को मोटरसाइकिल पर घर छोड़ने की पेशकश की। महिला ने आरोप लगाया कि तीनों आरोपियों ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की और उसके पायजामे का नाड़ा भी खींच लिया।

बठिंडा में तनाव: डीसी दफ्तर की तरफ बढ़ रहे किसानों और पुलिस के बीच झड़प

- पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े

बठिंडा (पंजाब),(एजेंसी)। अपने साथियों को रिहा करने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के बैनर तले बुधवार को किसानों ने जिले के डीसी कार्यालय के समीप धरना देना था। पुलिस उन्हें रोकने के लिए तैनात है। बठिंडा में डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के घेराव के लिए बढ़ रहे किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई।

इसके बाद किसानों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने बड़ी संख्या में आंसू गैस के गोले छोड़े। जानकारी के अनुसार, भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता और नेता जिउंद गांव में एकत्र हो रहे थे, ताकि बठिंडा स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया जा सके। जब पुलिस को इसकी जानकारी मिली, तो बड़ी संख्या में पुलिस बल ने गांव को घेर लिया। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच झड़प हो गई, जिसमें कुछ किसानों को मामूली चोटें भी आईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भारी संख्या में आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस किसी भी हालत में किसानों को बठिंडा पहुंचने से रोकने पर अड़ी हुई है, जबकि दूसरी ओर किसान हर हाल में बठिंडा पहुंचने की जिद पर हैं। किसानों को बठिंडा आने से रोकने के लिए पुलिस ने कड़ी नाकाबंदी कर रखी है। पुलिस ने की है कड़ी नाकाबंदी किसानों के धरने को रोकने के लिए एक हजार से अधिक पुलिस कर्मी नाकों पर तैनात हैं। सिपाही से लेकर डीआईजी तक के पुलिस कर्मी एवं अधिकारी मैदान पर डटे हुए है। किसान नेता शिंगारा सिंह मान ने बीती रात एक वीडियो जारी करके कहा कि किसान हर हालत में धरना देने पहुंचेगें। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के जिला अध्यक्ष शिंगारा सिंह मान ने बताया कि पिछले 11 माह से उनके किसान साथी जेल में बंद है। जिनकी रिहाई को लेकर वो समय समय पर प्रशासन को मिलकर मांग पत्र भी दे चुके हैं, लेकिन आज तक किसानों को रिहा नहीं किया गया।

कर्नाटक में करोड़ों रुपये की जमीन बेहद कम दाम में गांधी परिवार को दी गई: भाजपा

बंगलूरू,(एजेंसी)। भाजपा ने कर्नाटक में जमीन घोटाला होने का दावा किया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि करोड़ों रुपये के सरकारी प्लॉट निजी संपत्ति में बदलकर गांधी परिवार को दे दिए गए हैं। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार पर एक और जमीन घोटाला करने का आरोप

लगाया गया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में करोड़ों रुपये के नगर निगम के प्लॉट बेहद कम दाम पर कांग्रेस भवन ट्रस्ट को दे दिए गए हैं। भाजपा नेता और पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये आरोप लगाए। भाजपा ने कांग्रेस और गांधी परिवार पर लगाए गंभीर आरोप गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की पर्याय है, गांधी परिवार सिर्फ और सिर्फ सरकारी संपत्ति को हड़पने की कोशिश करता है, जैसा कि हमने नेशनल हेराल्ड केस में देखा है, इसलिए कांग्रेस को श्हड़पू परिवारश कहा जाए, तो यह गलत नहीं होगा। नेशनल हेराल्ड केस में हमने देखा था कि कांग्रेस ने किस तरह से सरकारी संपत्ति को अपनी निजी संपत्ति बना लिया। इसी तरह रॉबर्ट वाड्रा, किसानों की जमीन हड़पकर उस पर निजी व्यवसाय करते हैं।

दिग्गजों के भारत आगमन का सिलसिला जारी

- फिनलैंड के प्रधानमंत्री भी होंगे शामिल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। ओर्पो के दौरे से भारत–फिनलैंड साझेदारी को डिजिटल, एआई, शिक्षा और सतत विकास क्षेत्रों में मजबूती मिलने की उम्मीद है, जबकि पिचाई 20 फरवरी को कीनोट संबोधन देंगे। फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो भारत दौरे पर पहुंचे हैं, जहां वह इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेंगे। इस समिट में भाग लेने के लिए उनके आगमन पर कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो का हार्दिक स्वागत है। उन्होंने बताया कि यह दौरा भारत और फिनलैंड के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करेगा, खासतौर पर डिजिटल, एआई, सतत विकास और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन 16 फरवरी से 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जा रहा है, जिसमें दुनियाभर के नेता, नीति–निर्माता और टेक उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। च्ड मोदी की मौजूदगी के चलते एआई इम्पैक्ट समिट में प्रवेश सीमित भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान वीआईपी मूवमेंट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी के चलते प्रतिनिधियों के लिए प्रवेश पर आंशिक प्रतिबंध रहेगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार और गुरुवार को सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम स्थल पर विशेष व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। भारत मंडपम में आयोजित इस सम्मेलन में शामिल होने वाले डेलिगेट्स को शाम 4रू30 बजे तक कन्वेंशन एरिया खाली करना होगा, क्योंकि शाम 6 बजे के बाद प्रधानमंत्री राज्य अतिथियों और उद्योग जगत के नेताओं के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

2

लखनऊ शनिवार, 21 फरवरी 2026

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत रायबरेली जिला कार्यालय पर हुई भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशिक्षण कार्यशाला

लालगंज रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय अटल भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण महा अभियान के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी पीयूष मिश्रा ने कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना और संगठन को मजबूत करना है। यह अभियान 7 मार्च से 14 अप्रैल तक चलेगा और इसमें बूथ स्तर तक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान के तहत, पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, सरकार की नीतियों और जनसेवा के मूल मंत्र से जोड़ा जा रहा है। जिला अध्यक्ष बुद्धी लाल पासी ने कहा कि जो सीखता है वही आगे बढ़ता है, और जिस दिन सीखना बंद होगा, उसी दिन आपका विकास भी रुक जाएगा। प्रशिक्षण महा अभियान के जिला संयोजक देवेंद्र सिंह और सहसंयोजक शरद सिंह ने प्रशिक्षण महाभियान को संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बूथ स्तर तक सक्रिय और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं। महा अभियान की महत्वपूर्ण बैठक में मंडल वाइज प्रशिक्षण कार्यशाला तय किए गए। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा, भाजपा नेता जेपी सिंह, प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला, पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप यादव, बृजेश दत्त गौड़,शिवेंद्र सिंह, रामदेव पाल, राधेश्याम पाल,वीरेंद्र सिंह ,पुष्पेंद्र सिंह, प्रोफेसर अविनाश सिंह,रवीन्द्र सिंह, जन्मेजय सिंह, विजय सिंह टप्पू ,भगवत किशोर,निखिल पांडे,अनुज मौर्य,मनोज अवस्थी, नीरज पांडे ,दल बहादुर सिंह, किरन सिंह ,रंजना चौधरी, सुबोध वाजपेई ,गोविंद सविता,प्रियंका, नंद कुमार सिंह, राम सुमेर लोधी, प्रदीप लोधी, सुनील सिंह सहारा, शिवराम सिंह, राजेश निर्मल, शीतला सविता, विजयपाल आदि सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता मौजूदरहे।जिला अध्यक्ष बुद्धी लाल पासी ने कहा कि जो सीखता है वही आगे बढ़ता है, और जिस दिन सीखना बंद होगा, उसी दिन आपका विकास भी रुक जाएगा। प्रशिक्षण महा अभियान के जिला संयोजक देवेंद्र सिंह और सहसंयोजक शरद सिंह ने प्रशिक्षण महाभियान को संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बूथ स्तर तक सक्रिय और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं। महा अभियान की महत्वपूर्ण बैठक में मंडल वाइज प्रशिक्षण कार्यशाला तय किए गए।

महंती महोत्सव का आयोजन,पंडित संदीप शाण्डिल्य को मिली महंती गद्दी

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन जनपद के कोंच नगर में बुधवार दोपहर 1 बजे महंती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान गढ़ी तहसील के समीप स्थित प्राचीन गणेश मंदिर परिसर में पुजारी पंडित संदीप शाण्डिल्य को विधिवत रूप से महंती गद्दी सौंपी गई। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर राघवेंद्र दास (पिरौना) और महामंडलेश्वर सिद्ध राम दास (थड़ेश्वरी मंदिर) विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ महंती की परंपरागत रस्में पूरी की गईं। गोपाल दास (बंगरा) भी मंच पर मौजूद थे। इस अवसर पर महंत रघुनाथ दास (रामलला मंदिर, कोंच), महंत अवध किशोर दास (शम्भूसाब मंदिर), महंत अशोक दास (बड़ी माता मंदिर), महंत गोविंद दास (पचोखरा, एट), महंत अनुरुद्ध दास, महंत गोविंद दास, महंत अशोकदास और महंत मोहन दास सहित कई संत–महंतों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और आशीर्वाद दिया। समारोह के दौरान संतों ने पंडित संदीप शाण्डिल्य को आशीर्वाद देते हुए कहा कि महंती केवल एक पद नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और धर्म के संरक्षण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि वे मंदिर की धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाएंगे और समाज में आध्यात्मिक जागरूकता का प्रसार करेंगे। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु और भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पूरे मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया था और भजन–कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

30 किलो गांजा के साथ 3 गिरफ्तार,पश्चिम बंगाल से ट्रेन और ट्रक में छिपाकर लाते थे गांजा

नोएडा,संवाददाता। नोएडा की थाना सेक्टर–113 पुलिस और नार्कोटिक्स विभाग ने तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये लोग पश्चिम बंगाल और उड़ीसा से सस्ते दामों पर गांजा लाकर एनसीआर के जनपदों में बेचते है। इससे जो पैसा मिलता उससे अपना खर्चा चलाते है। इनके पास से 30 किलो गांजा बरामद किया गया। बाजार में इसकी कीमत करीब 5 लाख रुपए है। इनकी पहचान राहुल हक, आलम हुसैन, बिलाल हुसैन हुई है। इन तीनों को सेक्टर–72 से गिरफ्तार किया गया। ये तीनों मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले है। वहीं से ट्रेन और ट्रक में मॉल को छिपाकर गांजा एनसीआर लाते है। ये लोग छोटे स्टेशनों पर उतर जाते है। वहां से पब्लिक ट्रांसपोर्ट के जरिए गांजा लेकर नोएडा और आसपास के जिलों में आते है। इनके टारगेट पाइंट पीजी में रहने वाले स्टूडेंट और मजदूर वर्ग के कर्मी है। जिनको ये अच्छे दामों पर गांजा बेचते है। उससे जो पैसा मिलता है उससे मौज मस्ती में खर्च करते है। पुलिस अब इनके मुख्य सप्लायर की तलाश में है। ये लोग यहां किराए की झुग्गी में रहते है। ताकि इनको न तो ट्रैक किया जा सके और न ही पकड़ा जा सके।

नोएडा में रिम–झिम बौछार, ठंडा हुआ मौसम

नोएडा,संवाददाता। पहाड़ों पर एक्टिव हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर नोएडा में देखने को मिल रहा है। यहां सुबह से आसमान में काले बादल छाए है। दोपहर को हल्की फुआर वाली बारिश से मौसम ने करवट बदली और ठंडक फिर बढ़ गई। दोपहर में तापमान में 22 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यानी बीते दो दिनों के मुकाबले चार डिग्री कम रहा। आईएमडी के मुताबिक गुरुवार को मौसम साफ रहेगा और धूप निकलेगी। न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा की रफ्तार 6 से 10 किमी प्रतिघंटा चल रही है। नोएडा में कई स्थानों पर रिम–झिम बौछार दोपहर करीब 2 बजे से हो रही है। हालांकि कई स्थानों पर पानी नहीं गिरा। पश्चिमी विक्षोभ का असर रात तक रहेगा। ऐसे में रात में बारिश हो सकती है। इस बारिश से जहां एक्यूआई में सुधार हो हुआ है। वहीं तेजी से बढ़ रही गर्मी से लोगों को राहत दी है। उम्मीद है ठंडक कुछ दिन ऐसे ही रहेगी इसके बाद तापमान में तेजी आएगी।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से श्रमिक गंभीर घायल,इलाज के दौरान मौत

बहराइच,संवाददाता। जिले के नानपारा–बहराइच मार्ग पर मंगलवार देर रात एक सड़क हादसे में 35 वर्षीय श्रमिक की मौत हो गई। मजदूरी कर साइकिल से घर लौट रहे श्रमिक को तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली ने टक्कर मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान रामगांव थाना क्षेत्र के मदनजोत गांव निवासी विनोद (35) के रूप में हुई है। विनोद मजदूरी का काम करता था। मंगलवार रात वह काम खत्म कर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। बहराइच–नानपारा मार्ग पर गंभीरवा बाजार के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर–ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया। विनोद के पीछे आ रहे उसके गांव के दो अन्य लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंच गई।

एनएसएस का सात दिवसीय शिविर शुरू

विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के कोंच नगर स्थित मथुरा प्रसाद महाविद्यालय में बुधवार दोपहर 12 बजे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य विजय विक्रम ने शिविर को रवाना किया। यह शिविर 18 फरवरी से 24 फरवरी तक बदनपुरा मौजे में स्थित काली माता मंदिर परिसर में आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्र–छात्राओं को सामाजिक सरोकारों और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना है। शुभारंभ के अवसर पर एनएसएस प्रभारी लवकेश और मधुलता द्विवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एनएसएस का मुख्य लक्ष्य युवाओं में सेवा भावना विकसित करना है, जिससे वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। ऐसे शिविर विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। प्रभारियों ने छात्र–छात्राओं से शिविर के दौरान आयोजित सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने जानकारी दी कि शिविर में सड़क सुरक्षा, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और अन्य समाजोपयोगी विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियां भी होंगी, जो विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाएंगी और उन्हें समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगी। कार्यक्रम में कीर्त श्रीवास्तव, आयुष पाटकार, अभय साहू, वैष्णवी मिश्रा, नम्रता कुशवाहा, खुशी साहू, छवि, प्रियांशु, नैंसी सोनी, हर्ष कुमार और आशीष सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण था और विद्यार्थियों ने शिविर को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. अर्चना निरंजन, डॉ. हरिश्चंद्र तिवारी, मनोज तिवारी, सुनील निरंजन, दीपक सचान और राकेश वर्मा सहित महाविद्यालय का स्टाफ भी मौजूद रहा। महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि सात दिवसीय शिविर के दौरान रैली, व्याख्यान और जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा, जिससे समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता और सहभागिता दोनों मजबूत होंगी।

आज से चार दिन तक फूलों से महकेगा नोएडा,फ्लावर शो का आयोजन

नोएडा,संवाददाता। नोएडा में 19 से 22 फरवरी तक फ्लावर शो का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी पूरी की जा चुकी है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने बताया कि ये आयोजन सेक्टर–33ए निकट शिल्पहाट शिवालिक पार्क होगा। कल दोपहर बाद इसका औपचारिक उद्घाटन किया जाएगा। इस शो में विभिन्न प्रजातियों के फूलों द्वारा तैयार म्यूरल्स और स्कलप्चर बनाए गए है। आकर्षण का केंद्र केदारनाथ मंदिर है। जिसे फूलों दसे बनाया गया गया है। ये 30 फीट लंबा एवं 40 फीट ऊंचा बनाया गया है। शो का मुख्य द्वार भी केदारनाथ थीम पर है। ये 22 फीट लंबा और करीब 25 फीट ऊंचा होगा। इसके अलावा फूलों से त्रिशुल, डमरू एवं नंदी को केदार मंदिर के सामने स्थापित किया गया है। जिसकी 08 फीट लंबाई और 03 फीट ऊंचाई का होगी। करेले से 6 फीट के हाथी को बनाया गया है। मुख्य पाथवे बास्केट सौन्दर्यकरण किया जाएगा। ये 07 फीट में बना है। बास्केट फॉर पोट्स फ्लॉवर भी 7 फीट में बनेगा। प्रवेश पाथवे द्वार एवं प्रवेश गार्डन द्वार 10 फीट लंबाई और 12 फीट ऊंचाई में बना है। टॉप बास्केट फ्लो 08 फीट लंबाई का निर्माण किया गया है । इसके अलावा ढोलक शेप (बास्केट सटेप), फ्लोरल रेप्लिका आफ मटका फ्लो, फ्लोरल रेप्लिका आफ बुद्धा लोटस और आकृतियां बनाई जाएंगी। उत्तर रेलवे, नई दिल्ली म्यूनिसिपल कोर्पोरेशन, दक्षिणी दिल्ली म्यूनिसिपल कोर्पोरेशन, भारतीय थल सेना, कोटा हाउस, भारत पेट्रोलियम, एलजी, एडोब सिस्टम, एनआईआईटी, दिल्ली पब्लिक स्कूल, यमुना एक्सप्रेस–वे प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इसमें हिस्सा ले रहे है। 19 फरवरी को सांसद गौतमबुद्धनगर डाक्टर महेश शर्मा, विधायक नोएडा पंकज सिंह फ्लावर शो का उद्घाटन करेंगे। आईटीबीपी बैंड टीम द्वारा प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। 20 फरवरी सवत्र बैंड अपनी प्रस्तुती देगा। 21 फरवरी को विभिन्न संस्थाओं को उनके द्वारा तैयार किये गये गार्डन जज की ओर से आंकलन किया जाएगा।

रमजान से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की मांग

तंजीम गुलामाने मुस्तफा सोसाइटी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन जिले के कोंच में तंजीम गुलामाने मुस्तफा सोसाइटी ने आगामी रमजान माह से पहले नगर की मूलभूत व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग की है। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बुधवार सुबह लगभग 11 बजे उपजिलाधिकारी कोंच के माध्यम से राज्यपाल और मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 19 फरवरी से रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग इबादत, सहरी और इफ्तार में शामिल होते हैं, जिसके लिए नगर में साफ–सफाई, बिजली और पानी की समुचित व्यवस्था होना आवश्यक है। सोसाइटी ने मांग की है कि इफ्तार और तरावीह के समय, विशेषकर रात 10 बजे तक, बिजली आपूर्ति में कोई कटौती न की जाए। इससे लोगों को धार्मिक कार्यों में असुविधा नहीं होगी। इसके अतिरिक्त, मस्जिदों, मदरसों और खानकाहों के आसपास नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा आवारा जानवरों के विचरण पर रोक लगाने के लिए भी कदम उठाने की अपील की गई। ज्ञापन में सहरी और इफ्तार के समय को ध्यान में रखते हुए सुबह 4 बजे से 6 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 बजे तक नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। इसका उद्देश्य लोगों को पानी की समस्या से बचाना है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह ने सोसाइटी के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि रमजान के मद्देनजर आवश्यक व्यवस्थाओं को जल्द दुरुस्त कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश जारी करने की बात कही। ज्ञापन सौंपते समय सईद अहमद, शेफुल्ला, शमसुद्दीन मंसूरी, मुहम्मद शरीफ, उमर काजी, फईम, हामिद हुसैन, हाफिज अताउल्ला, अशफाक गौरी और एनुअल आर सहित कई सदस्य मौजूद थे। सोसाइटी ने प्रशासन से अपील की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि रमजान का महीना शांतिपूर्ण, स्वच्छ और सुचारू व्यवस्था के साथ संपन्न हो सके।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने मामला दर्ज किया

बांदा,संवाददाता। जिले में एक नाबालिग बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने सूचना मिलते ही देर रात घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना बांदा जनपद के शहर कोतवाली क्षेत्र में देर रात हुई। जानकारी के अनुसार, बच्ची एक ई–रिक्शे में बैठी थी, जिसमें आरोपी राजेश के बच्चे भी मौजूद थे। इसी दौरान, आरोपी राजेश नशे की हालत में वहां आया और बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने लगा। बच्ची के शोर मचाने पर उसके परिजन नीचे आए, लेकिन तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुका था। परिजनों ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक जानकारी जुटाई और देर रात घेराबंदी कर आरोपी राजेश को पकड़ लिया। पुलिस ने बच्ची को मेडिकल जांच के लिए भेजा है और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मवेश टॉक ने बताया कि देर रात एक व्यक्ति द्वारा नाबालिग बच्ची के साथ दुर्व्यवहार की सूचना मिली थी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत,अज्ञात शव की पहचान के लिए प्रयास जारी

बांदा,संवाददाता। जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। यह घटना देर रात क्योटरा क्रॉसिंग के पास हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। राहगीरों ने देर रात करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा देखा। सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची। युवक का शव दो हिस्सों में कटा हुआ मिला, जिससे घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। जीआरपी ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। मृतक की तलाशी लेने पर भी कोई ऐसा सामान नहीं मिला जिससे उसकी पहचान हो सके। जीआरपी पुलिस के अनुसार, मृतक ने हल्के नीले रंग की जींस पैंट, जींस की जैकेट और एक काली टी–शर्ट पहन रखी है। पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए उसकी तस्वीरें ली हैं और परिजनों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। शव को फिलहाल मरचरी में रखवाया गया है।

किसान यूनियन राजनीतिक का आरोप

बांदा,संवाददाता। किसान यूनियन राजनीतिक के जिला अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी ने अतर्रा कृषि मंडी के अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि मंडी में किसानों के धान की खरीद को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि व्यापारियों के धान को प्राथमिकता दी जा रही है।महेंद्र त्रिपाठी के अनुसार, मंडी परिसर में पिछले कई महीनों से किसानों का धान पड़ा हुआ है। किसान अपनी उपज की सुरक्षा के लिए दिन–रात मंडी में रुकने को मजबूर हैं। उनका आरोप है कि खरीद प्रक्रिया सुचारु न होने के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है और उनकी परेशानियां बढ़ रही हैं। इस संबंध में जब विपणन अधिकारी आशीष गुप्ता से संपर्क किया गया, तो उन्होंने सभी आरोपों को निराधार बताया। गुप्ता ने स्पष्ट किया कि 2 फरवरी से शासन द्वारा खरीद केंद्र (कांटे) बंद कर दिए गए थे, जिससे खरीद प्रक्रिया अस्थायी रूप से प्रभावित हुई थी। उन्होंने आगे बताया कि किसानों के आग्रह पर अब खरीद केंद्र फिर से चालू कर दिए गए हैं। शेष किसानों का धान प्राथमिकता के आधार पर खरीदे जाने का आश्वासन दिया गया है।

मुरवल गाँव में जल जीवन मिशन पाइपलाइन लीकेज,हजारों लीटर पानी बर्बाद

बाँदा,संवाददाता। जनपद के बबेरू स्थित मुरवल गाँव में जल जीवन मिशन की पाइपलाइन में बड़ा लीकेज हो गया है। रामलीला मैदान के पास हनुमान मंदिर के निकट हुए इस लीकेज से हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह लीकेज 20 फरवरी से शुरू होने वाली रामलीला के आयोजन स्थल के पास है। पंकज गुप्ता, अविनाश शर्मा और लाला पाल जैसे स्थानीय निवासियों ने जानकारी दी कि इस लीकेज के कारण हजारों लोगों को आवागमन में परेशानी होगी। रामलीला के दौरान बड़ी संख्या में लोगों का यहाँ से गुजरना होगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस लीकेज को जल्द से जल्द ठीक कराने की मांग की है ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और लोगों को असुविधा न हो।

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को पकड़ा

उरई/जालौन,संवाददाता। कैलिया थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुष्पेन्द्र सिंह को असूपुरा–पीपरी मार्ग पर सामी बैंक मोड़ के पास से पकड़ा गया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। यह गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार के निर्देश पर जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई। अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा और क्षेत्राधिकारी कोंच परमेश्वर प्रसाद के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अवनीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। उपनिरीक्षक विवेक कुमार मिश्र अपनी टीम के साथ 18 फरवरी 2026 को संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में चेकिंग कर रहे थे, तभी आरोपी को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पुष्पेन्द्र सिंह पुत्र विनीश (लगभग 23 वर्ष) निवासी ग्राम सामी, थाना कैलिया के रूप में हुई है। वह थाना कैलिया में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 13/26, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 127(2), 74, 331(4), 352, 351(2), 78 और पॉक्सो एक्ट की धारा 7ध्8 शामिल हैं, में वांछित था।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त पुष्पेन्द्र सिंह के खिलाफ पूर्व में भी थाना कैलिया में मुकदमा अपराध संख्या 47ध्19 धारा 323, 452, 504 आईपीसी के तहत दर्ज है, जिससे उसका आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अवनीश कुमार, उपनिरीक्षक विवेक कुमार मिश्र और हेड कांस्टेबल आशीष कुमार शामिल थे।

यूपी बोर्ड परीक्षाएं शुरू,पहले दिन छात्रों का टीका लगाकर अभिनंदन

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन जनपद में आज से यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं हिंदी विषय के पेपर के साथ शुरू हो गईं। इस वर्ष जिले में कुल 72 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 38,318 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं।

पाक में एक और सानिया से धोखा

इस क्रिकेटर ने की दूसरी शादी, पूर्व पत्नी ने लगाए गंभीर आरोप, हत्यारा कहा

कराची। इमाद वसीम ने दूसरी शादी का एलान किया, जिसके बाद उनकी पूर्व पत्नी सानिया अशफाक ने उन्हें श्घर तोड़ने वालाश और श्धोखेबाजश कहते हुए गंभीर आरोप लगाए। इमाद ने अपने बयान में जिम्मेदारी स्वीकार की, जबकि सानिया ने बच्चों के लिए इंसाफ की मांग की। मामला अब सोशल मीडिया पर तीखी चर्चा का विषय बना हुआ है। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर इमाद वसीम एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में दूसरी शादी की घोषणा के बाद उनकी पूर्व पत्नी सानिया अशफाक ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें श्धोखेबाजश और श्घर तोड़ने वालाश करार दिया है। यह विवाद उस समय सामने आया जब इमाद ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नायला रजा से शादी की जानकारी सार्वजनिक की। इससे पहले भी पाकिस्तानी क्रिकेटर से एक और सानिया को धोखा मिल चुका है। जी हां...हम बात कर रहे हैं सानिया मिर्जा और शोएब मलिक की। इस कपल ने 2024 में अलग होने की पुष्टि की थी। मतलब दो सानिया...और दो पाकिस्तानी क्रिकेटर अलग हुए और वजह सिर्फ एक– किसी और महिला की क्रिकेटर के जीवन में एंट्री! दो महीने पहले हुआ था तलाक इमाद और सानिया की शादी 2019 में हुई थी और दिसंबर 2025 में दोनों का तलाक हो गया। दोनों के तीन बच्चे हैं। इनमें एक बेटी (जन्म 2021) और दो बेटे शामिल हैं। इनमें सबसे छोटा महज सात महीने का है। तलाक के सिर्फ दो महीने बाद इमाद की दूसरी शादी ने विवाद को और हवा दे दी। इमाद का बयानरू श्सबसे कठिन दौर थाश इमाद वसीम ने इंस्टाग्राम पर एक संक्षिप्त बयान जारी करते हुए लिखा, श्मैं अपनी जिंदगी के सबसे कठिन दौर से गुजरा, जब मेरी शादी सफल नहीं हो सकी, लेकिन उसी अध्याय ने मुझे मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी नेमतें दीं, मेरे बच्चे। मैं उनसे बेइंतहा मोहब्बत करता हूं और यह प्यार कभी नहीं बदलेगा।श उन्होंने आगे स्वीकार किया, श्मैं उम्मीद में जरूरत से ज्यादा समय तक रुका रहा और जो फैसले किए, उन पर मुझे अफसोस है। मेरी चुप्पी की वजह से एक निर्दोष व्यक्ति को आलोचना झेलनी पड़ी, जिसकी जिम्मेदारी मैं पूरी ईमानदारी से लेता हूं।श पूर्व पत्नी का पलटवार इमाद के बयान के बाद सानिया अशफाक ने भी सोशल मीडिया पर तीखा पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, श्अब सबके सामने सच आ चुका है। इस घर तोड़ने वाले ने एक बार भी मेरे बच्चों के बारे में नहीं सोचा। यह धोखेबाज आखिरकार बेनकाब हो गया है। मैं अपने बच्चों के लिए और जो कुछ हमने सहा है उसके लिए इंसाफ चाहती हूं।श सानिया के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोग इमाद के समर्थन में नजर आए तो कुछ ने सानिया की पीड़ा को जायज ठहराया। निजी जिंदगी पर सार्वजनिक बहस इमाद वसीम, जिन्होंने पाकिस्तान के लिए 55 वनडे और 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, अब क्रिकेट से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं।

साहिबजादा अब क्यों नहीं बना रहे फिल्म?

हार्दिक ने निकाली हेकड़ी, डॉक्यूमेंट्री धरी की धरी रह गई!

नई दिल्ली। फैंस ने ये भी कहा कि ये खिलाड़ी हार्दिक पांड्या के आगे टिक नहीं पा रहा और बुमराह की बड़ी बड़ी बातें करता है। साहिबजादा एशिया कप के दौरान गनफायर सेलिब्रेशन के लिए भी विवादों में आए थे।

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय गेंदबाजों का कहर बरपा और 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। टी20 विश्वकप 2026 में भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी। तमाम ड्रामे और विवादों के बाद जब पाकिस्तान टीम जब भारत के खिलाफ मैदान पर उतरी, तो उसकी किरकिरी हो गई। भारतीय टीम ने आईना दिखाते हुए बताया कि सिर्फ गीदड़भभकी और बयानबाजी से ही सम्मान नहीं मिलता, मैदान पर आकर दम भी दिखाना पड़ता है। इस मैच में सबसे ज्यादा किरकिरी गनफायर सेलिब्रेशन वाले साहिबजादा फरहान की हुई। एशिया कप 2025 के दौरान साहिबजादा ने महज तीन छक्के लगाने पर बड़बोलापन दिखाते हुए खुद पर डॉक्यूमेंट्री बनवा ली थी। अब जब भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच में वह शून्य पर आउट हुए तो सिट्टी पिट्टी गुम हो गई। हार्दिक पांड्या ने उनकी हेकड़ी निकाल दी और डॉक्यूमेंट्री धरी की धरी रह गई। अब फैंस तंज कसते हुए साहिबजादा से एक पूरी फिल्म बनाने की मांग कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला? दरअसल, एशिया कप टी20 2025 के दौरान साहिबजादा ने मौजूदा समय के सबसे घातक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद पर तीन मैचों में तीन छक्के लगा दिए थे। उन्होंने तीन मैचों में 155 रन बनाए थे। हालांकि, पाकिस्तान की टीम भारत से तीनों मैच हारी थी। इसके बाद साहिबजादा जब पाकिस्तान लौटे, तो उन पर डॉक्यूमेंट्री बन गई। डॉक्यूमेंट्री में साहिबजादा बड़बोलेपन से बाज नहीं आए।

दूसरी बार ग्रुप चरण में ही थमा ऑस्ट्रेलिया का सफर, कंगारू टीम का क्यों खराब रहा प्रदर्शन?

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया का सफर टी20 विश्व कप 2026 में अब खत्म हो गया है और टीम सुपर आठ में नहीं पहुंच सकी है। यह मौजूदा टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर है क्योंकि 17 साल बाद ऐसा हो रहा है जब कंगारू टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई है। मिचेल मार्श की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया टीम का सफर टी20 विश्व कप 2026 में खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलिया के लिए मौजूदा टूर्नामेंट किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा और टीम सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई करने में असफल रही। ऑस्ट्रेलिया को जिम्बाब्वे और श्रीलंका से हार मिली जिसने उसके लिए आगे के दरवाजे बंद कर दिए। रही सही कसर बारिश ने पूरी की जिससे कंगारू टीम के लिए आगे बढ़ना असंभव हो गया। बारिश ने किया काम तमाम जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच टी20 विश्व कप में ग्रुप बी का मुकाबला बारिश के चलते रद्द हो गया है। इसके साथ ही दोनों टीमों को एक–एक अंक मिले हैं। इसका फायदा जिम्बाब्वे को हुआ है और वह सुपर आठ चरण में पहुंच गई है। वहीं, 2021 की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया है और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यानी लगातार दो हार के बाद बारिश ने भी ऑस्ट्रेलिया के लिए विलेन का काम किया। तालिका में आयरलैंड से भी नीचे खिसका ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी से श्रीलंका की टीम सुपर आठ चरण में पहुंच चुकी थी और जिम्बाब्वे इस ग्रुप से अगले दौर में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। जिम्बाब्वे ने लगातार दो मैच जीते और अब मैच रद्द होने से उसे एक अंक मिला जिससे उसके तीन मैचों में पांच अंक हो गए हैं और वह सुपर आठ में पहुंच गई है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया अगर आखिरी मैच जीत भी जाती तो उसके चार अंक ही रहेंगे, इसलिए कंगारू टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया है। इसके अलावा आयरलैंड और ओमान भी बाहर हो गई है। मौजूदा टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का सफर मौजूदा टी20 विश्व कप की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में आयरलैंड को 67 रनों से हराकर अपने अभियान की शुरुआत शानदार तरीके से की थी। इसके बाद जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराकर उलटफेर किया था। फिर श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे मैच में आठ विकेट से करारी शिकस्त दी जिससे उसके अभियान को झटका लगा। अब ऑस्ट्रेलिया को 20 फरवरी को ओमान का सामना करना है। कंगारू टीम इस मैच में जीत दर्ज कर सम्मान के साथ विश्व कप से विदा लेना चाहेगी। 17 साल बाद ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी टीम टी20 विश्व कप में 17 साल बाद ऐसा हो रहा है जब ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी है।

वर्ष	चरण	कप्तान
2007	सेमीफाइनल	रिकी पॉंटिंग
2009	ग्रुप चरण	रिकी पॉंटिंग
2010	उपविजेता	माइकल क्लार्क
2012	सेमीफाइनल	जॉर्ज बेली
2014	सुपर-10	जॉर्ज बेली
2016	सुपर-10	स्टीव स्मिथ
2021	विजेता	आरोन फिंच
2022	सुपर-12	आरोन फिंच
2024	सुपर आठ	मिचेल मार्श
2026	ग्रुप चरण	मिचेल मार्श

वैश्विक एआई प्रतिस्पर्धा में भारत कहां? शीर्ष देशों पर ये बोले इंफोसिस के सह–संस्थापक

नई दिल्ली। इंफोसिस के सह–संस्थापक ने कहा कि भारत के पास क्षमता है कि वह एआई के रेस में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। उनके अनुसार, भारत में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने की क्षमता है, विशेष रूप से एप्लिकेशन स्तर पर, जहां वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एआई समाधानों का उपयोग किया जाता है। भारत वैश्विक एआई प्रतिस्पर्धा में शीर्ष तीन देशों में स्थान बना सकता है। इंफोसिस के सह–संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन ने यह बात कही। उनके अनुसार भारत में मजबूत डेवलपर इकोसिस्टम और अनुप्रयोगों पर बढ़ते फोकस के चलते देश के पास यहां तक पहुंचने की क्षमता है। क्या है एआई की असली ताकत? उन्होंने कहा कि एआई की असली ताकत सिर्फ तकनीक होने में नहीं है, बल्कि इस बात में है कि उससे कौन–कौन से काम के एप्लिकेशन बनाए और इस्तेमाल किए जाते हैं। भारत एक विशाल देश है जिसमें बड़ी संख्या में एप्लिकेशन और डेवलपर्स हैं। उनके अनुसार, भारत में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने की क्षमता है, विशेष रूप से एप्लिकेशन स्तर पर, जहां वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एआई समाधानों का उपयोग किया जाता है। देश में बहुभाषी मॉडल के विकास के लिए चल रहे प्रयास उन्होंने भारत में उन्नत एआई प्रणालियों, जिनमें बहु–मॉडल और बहुभाषी मॉडल शामिल हैं, के विकास के लिए चल रहे प्रयासों की ओर भी इशारा किया। ये मॉडल केवल अंग्रेजी आधारित मॉडलों से काफी अलग हैं और इन्हें विभिन्न भाषाओं और उपयोग के मामलों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो भारत की भाषाई विविधता और तकनीकी महत्वाकांक्षा को दर्शाते हैं। बिजली खपत वाली कंप्यूटिंग पर क्या बोले?

पहली बार नौकरी की तलाश में निकले युवाओं के लिए खुशखबरी, नियोक्ता दे सकते हैं फ्रेशर्स को प्राथमिकता

नई दिल्ली। टीमलीज एडटेक करियर की रिपोर्ट के अनुसार इस साल की पहली छमाही में लगभग 4 में से 3 नियोक्ता फ्रेशर्स को नियुक्त करने का इरादा रखते हैं। रिपोर्ट में आगे यह भी पता चला कि क्षेत्रीय मांग में खुदरा बाजार (91 प्रतिशत) सबसे आगे है। आइए विस्तार से जानते हैं। पहली बार नौकरी की तलाश में निकले युवाओं के लिए यह साल अच्छा साबित हो सकता है। 73 प्रतिशत नियोक्ता पहली छमाही में फ्रेशर्स को नौकरी पर रखने की योजना बना रहे हैं। टीमलीज एडटेक करियर की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। लखनऊ चार में से तीन नियोक्ता फ्रेशर्स को करना चाहते हैं नियुक्त रिपोर्ट के अनुसार भार्ती संबंधी निर्णय मुख्य रूप से इंटर्नशिप और वास्तविक दुनिया के प्रोजेक्ट अनुभव से प्रेरित होते हैं, न कि केवल शैक्षणिक योग्ताओं से। इसमें कहा गया है कि लगभग 4 में से 3 नियोक्ता फ्रेशर्स को नियुक्त करने का इरादा रखते हैं।

यह पिछले छमाही की तुलना में तीन प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह डेटा नवंबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच सर्वेक्षण किए गए 1,051 नियोक्ताओं से लिए गए इनपुट पर आधारित है। किन क्षेत्रों में है सबसे ज्यादा मांग? रिपोर्ट में आगे यह भी पता चला कि क्षेत्रीय मांग में खुदरा बाजार (91 प्रतिशत) सबसे आगे है। उसके बाद ई–कॉमर्स और प्रौद्योगिकी स्टार्टअप (90 प्रतिशत) और विनिर्माण (85 प्रतिशत) का स्थान आता है। रिटेल सेक्टर में सबसे अधिक मांग वाले पदों में डार्क स्टोर असिस्टेंट और इन्वेंटरी मैनेजमेंट असिस्टेंट शामिल हैं। वहीं ई–कॉमर्स और टेक्नोलॉजी स्टार्टअप डिजिटल सेल्स एसोसिएट और जूनियर वेब डेवलपर पदों के लिए भर्तियां कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र में इन्वेंटरी और लॉजिस्टिक्स कोऑर्डिनेटर और बैटरी असेंबली टेक्नीशियन की भूमिकाओं की मांग सबसे अधिक है। युवा प्रतिभाओं के कार्यबल में शामिल होने के तरीके में आया संरचनात्मक बदलाव टीमलीज एडटेक के संस्थापक और सीईओ शांतनु रूज ने कहा कि हम देख रहे हैं कि युवा प्रतिभाओं के कार्यबल में शामिल होने के तरीके में एक संरचनात्मक बदलाव आ रहा है। इस छमाही में फ्रेशर्स को नौकरी देने की इच्छा 73 प्रतिशत तक बढ़ गई है, जो प्रवेश स्तर की प्रतिभाओं में नियोक्ताओं के सतर्क लेकिन स्पष्ट विश्वास को दर्शाती है। कुछ क्षेत्रों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है – खुदरा क्षेत्र में भर्ती की इच्छा 50 प्रतिशत अंक बढ़कर 2025 की पहली छमाही में 41 प्रतिशत से 2026 की पहली छमाही में 91 प्रतिशत हो गई है। पहुंच अधिक होती जा रही है चयनात्मक उन्होंने कहा कि यात्रा क्षेत्र में 51 अंकों की वृद्धि हुई है, जो 26 प्रतिशत से बढ़कर 77 प्रतिशत हो गया है। बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में 50 अंकों की वृद्धि हुई है, जो 22 प्रतिशत से बढ़कर 72 प्रतिशत हो गया है, जो युवा पेशेवरों की मांग में मजबूत उछाल का संकेत देता है। फिर भी, उन्होंने कहा कि अवसर तो बढ़ रहे हैं, लेकिन उन तक पहुंच अधिक चयनात्मक होती जा रही है। असली अंतर किस आधार पर दिख रहा? रूज ने आगे कहा कि आजकल असली अंतर उन उम्मीदवारों के बीच है जो व्यावहारिक कौशल प्रदर्शित कर सकते हैं और जो नहीं कर सकते। इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो या व्यावहारिक अनुभव वाले फ्रेशर्स तेजी से विकास के अवसरों की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि केवल डिग्री धारक आवेदकों को नौकरी ढूंढने में लंबा समय लगता है।

संक्षिप्त

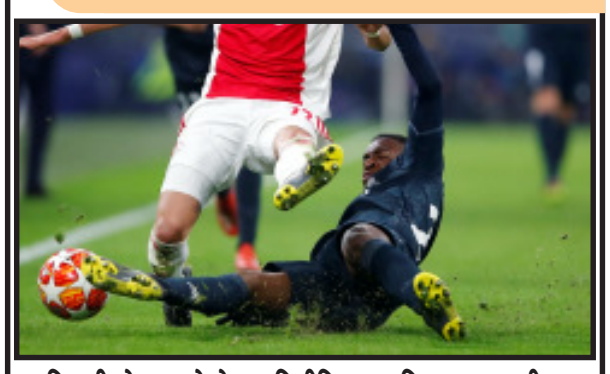

विजयी गोल करने के बाद विनीसियस जूनियर का नस्लीय दुर्व्यवहार का आरोप, रियाल मैड्रिड की जीत पर विवाद का साया

यूईएफए चौंपियंस लीग (बिंउचपवदे स्मंहनम) के प्लेऑफ मुकाबले में फुटबॉल की दुनिया एक बार फिर नस्लवाद के मुद्दे पर गरमा गई है। रियाल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने बेनफिका के खिलाफ मैच के दौरान नस्लीय टिप्पणी किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। यह घटना तब हुई जब विनीसियस ने अपनी टीम के लिए विजयी गोल दागा और रियाल मैड्रिड को 1–0 से जीत दिलाई। खेल को तब रोक दिया गया जब विनीसियस ने दावा किया कि रियाल मैड्रिड की 1–0 से जीत के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करके उनका अपमान किया। रियाल मैड्रिड के डिफेंडर ट्रेंट अलेक्जेंडर अर्नोल्ड ने मैच के बाद कहा, ''अपने करियर के दौरान उन्हें कई बार इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा है और उन्होंने इसे बखूबी संभाला है। लेकिन उनके प्रति इस तरह का व्यवहार जारी रहना और आज रात ऐसा होना फुटबॉल के लिए शर्मनाक है।'' इस बीच मौजूदा चौंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को मोनाको के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पीएसजी एक समय दो गोल से पीछे चल रहा था लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी डेजायर डूए के शानदार प्रदर्शन से वह आखिर में 3–2 से जीत हासिल करने में सफल रहा। अन्य मैचों में गैलाटासराय ने युवेंटस को 5–2 से हराया जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने अटलांटा के खिलाफ 2–0 से जीत दर्ज की विनीसियस ने स्टेडियम ऑफ लाइट में बेनफिका के खिलाफ प्लेऑफ के पहले चरण में रिकॉर्ड 15 बार के चौंपियन रियाल मैड्रिड को बढ़त दिलाने के बाद रेफरी फ्रांकोइस लेटेक्सियर को नस्लवादी टिप्पणी की जानकारी दी। उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाड़ी जियानलुका प्रेस्टियानी की ओर इशारा किया। बेनफिका के कोच जोस मोरिन्हो ने हालांकि कहा कि उनके खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों से इनकार किया है। मोरिन्हो ने कहा, ''उन्होंने मुझे अलग–अलग बातें बताईं। लेकिन कुछ तो गड़बड़ है क्योंकि हर बार ऐसा होता है। जहां भी विनीसियस खेला, वहां हमेशा कुछ न कुछ हुआ।

ईस्ट बंगाल की धमाकेदार शुरुआत, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 3–0 से हराया

कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में सोमवार को एक बदली हुई और आत्मविश्वास से भरी ईस्ट बंगाल ने अपने इंडियन सुपर लीग अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की। टीम ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 3–0 से हराकर साफ संदेश दिया कि इस बार उसका इरादा सिर्फ भागीदारी नहीं, बल्कि खिताब की दौड़ में मजबूती से उतरने का है। बता दें कि नए सत्र से पहले कोच कार्लोस ब्रूजोन ने टीम की रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। हाई–लाइन और हाई–प्रेस शैली अपनाते हुए ईस्ट बंगाल ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख दिखाया। इसका सबसे बड़ा फायदा नए विदेशी खिलाड़ी यूसुफ एजेज्जारी के रूप में मिला, जिन्होंने 65वें और 71वें मिनट में दो गोल दागकर मैच का रुख पूरी तरह घरेलू टीम की ओर मोड़ दिया। गौरतलब है कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड, जो हाल ही में डूरंड कप जीतकर आई थी, इस मुकाबले में लय हासिल नहीं कर सकी। एजेज्जारी के दो गोल के बाद अतिरिक्त समय के दूसरे मिनट में मिगेल फरेरा ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। मौजूद जानकारी के अनुसार, ईस्ट बंगाल ने 2020 में लीग में प्रवेश के बाद पहली बार अपने सत्र के शुरुआती मुकाबले में जीत दर्ज की है, जिससे पुराने रिकॉर्ड का सिलसिला भी टूटा है। मैच के दौरान ईस्ट बंगाल का आक्रमण लगातार नॉर्थईस्ट के पेनल्टी बॉक्स पर दबाव बनाता रहा। मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला, जिसने विपक्षी रक्षा पंक्ति को लगातार परेशान किया। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि टीम इसी तरह संतुलित और आक्रामक फुटबॉल खेलती रही, तो वह इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदार बन सकती है। इस जीत के साथ ईस्ट बंगाल ने अपने प्रशंसकों को उम्मीद की नई वजह दी है और लीग के शुरुआती दौर में ही मजबूत संकेत दे दिए हैं।

भारत की लगातार हार से बढ़ी चिंता, विश्व कप से पहले सुधार की जरूरत

राउरकेला में खेले गए प्रो लीग चरण के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के प्रदर्शन को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। चार मुकाबलों में चार हार और 19 गोल गंवाना किसी भी शीर्ष टीम के लिए चिंता का विषय माना जाता है। टीम ने इन मैचों में केवल पांच गोल किए, जबकि रक्षापंक्ति बार–बार दबाव में टूटती नजर आई है। बता दें कि थ्म् च्तव स्मंहनम को अक्सर प्रयोगात्मक टूर्नामेंट कहा जाता है, लेकिन घरेलू मैदान पर इस तरह की हार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत को पहले मुकाबले में बेल्जियम से 1–3 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि अर्जेंटीना ने 8–0 से करारी शिकस्त दी। इसके बाद भी दोनों टीमों के खिलाफ 2–4 से हार मिली। गौरतलब है कि 8–0 की हार गोल अंतर के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हारों में शामिल है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने स्वीकार किया कि घरेलू हार हमेशा अधिक पीड़ा देती है, क्योंकि अपेक्षाएं ज्यादा होती हैं। पूर्व डिफेंडर वीआर रघुनाथ ने कहा कि टीम ने काउंटर अटैक पर नियंत्रण खो दिया और सामूहिक प्रदर्शन में कमी दिखी। रक्षा पंक्ति में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद होने के बावजूद समन्वय की कमी दिखी। अर्जेंटीना ने आठ मिनट के भीतर छह गोल दागे, जिससे टीम की संरचना पर सवाल खड़े हुए। प्राथमिक गोलकीपर कृष्ण पाठक को विश्राम दिए जाने के बाद सूरज कर्केरा और पवन पर जिम्मेदारी आई, लेकिन दोनों 19 गोल रोकने में असफल रहे। मौजूद जानकारी के अनुसार, मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी भी साफ नजर आई। हार्दिक सिंह और अभिषेक अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ सके। पेनल्टी कॉर्नर पर भी टीम की धार कम दिखी और कई मौके गंवाए गए। गौरतलब है कि अगस्त में होने वाले विश्व कप और सितंबर–अक्टूबर के एशियाई खेलों को देखते हुए कोच फुल्टन 22–24 खिलाड़ियों का मजबूत कोर समूह तैयार करना चाहते हैं।

सम्पादकीय

असमः चुनावी खेल में संविधान तार-तार

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मुस्लिम विरोधी अपने बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। भाजपा ने उन्हें असम में मुख्यमंत्री क्यों बनाया है और क्यों वो मोदी–शाह की आंखों के तारे बने हुए हैं, यह समझना कठिन नहीं है। हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार–बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था। और जहां तक घुसपैठियों को बाहर करने या उन पर कार्रवाई करने का सवाल है, तो यह काम भी कानून के दायरे में होना चाहिए। अगर सत्ता पर बैठा शख्स हाथ में बंदूक लेकर इंसाफ करने निकल पड़े तो फिर देश में अदालतों की जरूरत ही क्या होगी। अफसोस इस बात का है कि सुप्रीम कोर्ट की राय इस बारे में अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिमंत बिस्वासरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक चलन बनता जा रहा है। असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है। इस बात पर कोई दो राय नहीं है कि चुनावों में विरोधी पर वार करने के लिए कई बार कानूनी लड़ाइयों का सहारा लिया जाता है। बल्कि मोदी के शासनकाल में तो जांच एजेंसियों का भी खुला इस्तेमाल होने लगा है। लेकिन असम का यह मामला कल्पना से उपजा आरोप नहीं है, बल्कि हिमंता बिस्वासरमा ने जिस तरह मुसलमान को बंदूक की नोक पर रखा है, वह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इसमें न केवल कानून और संवैधानिक पद की मर्यादा का मखौल उड़ाया गया है, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्षता के चिथड़े–चिथड़े करने की मानसिकता झलकी है। गौरतलब है कि 8 फरवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम भाजपा के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वासरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट–ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट–ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत ने इस वीडियो को शेयर करते हुए पूछा था कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है। श्री बिस्वासरमा के इस वीडियो पर कांग्रेस, आरजेडी, शिवसेना समेत कई विपक्षी दलों ने आलोचना कर कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन हिमंता बिस्वासरमा पर कोई फर्क नहीं पड़ा था। उनका कहना था कि जेल जाने के लिए तैयार रहूंगा, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा नहीं छोड़ूंगा। जिस तरीके से हिमंता बिस्वासरमा ने अपने बयान को सही ठहराया था, उससे सवाल उठता है कि क्या उन्हें पता था कि जब तक मोदी–शाह का हाथ उनकी पीठ पर है, उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यहां ये भी याद कर लेना चाहिए कि इससे पहले हिमंता बिस्वासरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में स्पेशल रिवीजन में 4 से 5 लाख मिया मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से मिया समुदाय को परेशान करने की अपील की ताकि वे असम से चले जाएं। उन्होंने सीधे–सीधे एक समुदाय को निशाने पर लेकर उसे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तौर पर परेशान करने की बात कही, नागरिक के वोट के अधिकार को छीनने की बात कही, लेकिन सुप्रीम कोर्ट को अगर लगता है कि चुनाव से पहले ऐसे मामले आने का ट्रेंड बन गया है।

अब कड़वे फैसले ही गढ़ेंगे हिमाचल का भविष्य

डा. रचना गुप्ता

> *ताकि खजाने में थोड़ा सुधार हो, लेकिन यही काम पूर्व में रही भाजपा या कांग्रेस सरकारों ने कर लिया होता तो इस बदहाली की नौबत न आती। खैर, अब आर.डी.जी. बंद हो गई है, पिछली सरकारों द्वारा लिए गए कर्ज का आंकड़ा 1 लाख करोड़ पार कर गया है।*

हिमाचल समेत 17 राज्यों में केंद्र सरकार की विशेष दरियादिली यानी राजस्व घाटा अनुदान (आर.डी.जी.) खत्म होने के बाद अब वक्त आ गया है, जब राज्य सरकारें आर.डी.जी. से आगे का सोचें, खासकर हिमाचल जैसा छोटा सा राज्य। वित्तीय नजाकत को समझते हुए वर्तमान कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही कुछ फैसलों के कड़वे घूंट पी लिए थे, ताकि खजाने में थोड़ा सुधार हो, लेकिन यही काम पूर्व में रही भाजपा या कांग्रेस सरकारों ने कर लिया होता तो इस बदहाली की नौबत न आती। खैर, अब आर.डी.जी. बंद हो गई है, पिछली सरकारों द्वारा लिए गए कर्ज का आंकड़ा 1 लाख करोड़ पार कर गया है, जिसका ब्याज चुकता करते–करते किसी भी दल की सरकार के पसीने छूटेंगे। दूसरे आध्थक मुद्दे भी हैं जिन पर वर्तमान की कांग्रेस सरकार अंगारों पर चल रही है। इसलिए अब आर.डी.जी. से आगे कदम बढ़ाने व स्व–साधन विकसित करने का वक्त है और संकट की इस घड़ी में सरकारी कर्मियों को ही योद्धा बनकर चलना होगा ताकि गैर सरकारी जनता भी स्वयं को बेहतर स्थिति में ला सके। इसलिए मुफ्त की योजनाओं से इतर विकास के नए अवसरों को झटपट पाना और कठोर निर्णय लेना, वक्त की जरूरत बनी है। वरना राज्य का आगे चल पाना, यानी बुनियादी कामों का होना भी दुश्वार होगा। बहरहाल सुधारों का पिटारा तत्काल प्रभाव से सुक्खू सरकार को शुरू करना चाहिए। इसमें पहल चुने हुए प्रतिनिधियो से ही करनी चाहिए, जिन्हें हर टर्म की अलग पैंशन मिलती है और कुछ–कुछ अंतराल के बाद वेतन–भत्ते भी बढ़ते रहते हैं। खासकर हर बार की चुनावी रिटर्न में कुछ की करोड़ों की भारी बढ़ौतरी देखी गई है। दूसरा, यदि पैंशन के मामले में देनदारी खासी बढ़ गई है, तो इस विषय में पुनर्विचार करना भी एक व्यावहारिक फैसला हो सकता है, क्योंकि पैंशन व एरियर से भी राज्य के खजाने को बहुत बड़ी मार मिल रही है। इस विषय में विपक्ष को भी राजनीति से दूर व्यावहारिक नजरिया रखना होगा क्योंकि गत वर्षों की प्रदेश की ऋण स्थिति, वेतन, एरियरों व डी.जी.पी. के साथ सभी सरकारों के निर्णय पर गौर करें तो कोई भी एक दल या पार्टी विशेष कटघरे में खड़ी नहीं होती बल्कि सभी होते हैं। क्योंकि गत ढाई दशकों में सबसिडी आधारित राजनीति सभी ने की। कर्ज सभी ने लिए। राजस्व सुधारों की कमी सभी स्तरों पर रही। वास्तव में हिमाचल बिना केंद्र की मदद के खुद तेजी से विकसित इसलिए नहीं हो सकता क्योंकि यह पहाड़ी राज्य है। प्रेम कुमार धूमल का 2 टर्म का कार्यकाल रहा। अब सभी मुख्यमंत्रियों का वर्ष 2000 से आगे के अनुमानित कर्ज आंकड़ों में अपने आप में काफी कुछ कहता है। प्रेम कुमार धूमल 14000 करोड़ रुपए का कर्ज, वीरभद्र सिंह के 2 कार्यकालों में 21500 करोड़ रुपए, जयराम ठाकुर के एक कार्यकाल में 22000 करोड़ रुपए (कोरोना काल) और सुखविंदर सिंह सुक्खू के 3 वर्ष के कार्यकाल में अनुमानित 18000 करोड़ रुपए (आपदा काल) ऋण लिया गया। इस तरह सुक्खू सरकार में, पिछली सरकारों का लिया हुआ कर्जा समेत मिलाकर करीब 1 लाख करोड़ आ गया। ऐसे में आर.डी.जी. का बंद होना भी वज्रपात ही है। यह विडंबना है कि सभी को मालूम था कि हालात खराब हो रहे हैं। सी.ए.जी. ने भी स्पष्ट कर दिया था कि असंतुलन तेजी से हो रहा और आमदनी धीमी है। आयकर कम है, तब कर्ज लेना पड़ा। यानी खर्च बढ़ा, राजस्व नहीं। जो ऋण लिया वह सैलरी–पैंशन पर गया, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नहीं हुआ। हर सरकार के समय पर सबसिडी की मार प्रदेश को झेलनी पड़ी। प्रेम कुमार धूमल के समय 5वां, 6वां वेतन आयोग लागू किया। बिजली व किसानों की सबसिडी, नए मंडल, उपमंडल खोलना, कर्ज आधारित विकास मॉडल बना। वीरभद्र ने बड़े पैमाने पर सरकारी भर्तियां कर दीं। सामाजिक पैंशन विस्तार, बोर्ड निगम घाटे में। जयराम ठाकुर ने बिजली 125 यूनिट मुफ्त की, कोरोना काल में उधारी बढ़ी, राजस्व गिर गया, वेतन आयोग का एरियर मिलता रहा। सुक्खू सरकार में ओ.पी.एस. ने तगड़ा झटका दिया। कर्ज का ऋण देते रहे और दो बड़ी आपदाओं में पुनर्वास में भारी खर्च हुआ। ओ.पी.एस. इस समय ऋण क्षमता को 1800 करोड़ कम कर देता है क्योंकि यह डैडीकेटेड कॉरपस होता है। यही झटका इस सरकार को लगा। वैसे चिंताजनक बात यह है कि प्रदेश की वृद्धि दर भी खास नहीं सुधर रही। वर्ष 2005–06 में यह 10 प्रतिशत थी जो 2011–12 में 7 प्रतिशत हो गई। 2018 में 6 प्रतिशत और 2019 में 4 प्रतिशत पर आ गई।

भारत की निर्भरता चिंता की बात

नन्तू बनर्जी

भारतीय रक्षा मंत्रालय की फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने की नई मंजूरी से ज़्यादा उत्साहित होने की कोई बात नहीं है, जिसकी कीमत 3.25 लाख करोड़ रुपये (लगभग 40 अरब डॉलर) है, जिसे सभी डिफेंस डील्स की सबसे बड़ी डील कहा जा रहा है। यह बड़ी चिंता की बात है कि देश की आजादी के 78 साल बाद भी, यूक्रेन की तरह भारत को भी अपनी आजादी की रक्षा के लिए आयातित हथियारों पर निर्भर रहना पड़ता है– फ्रांस से राफेल, संयुक्त राज्य अमेरिका से पोसाइडनजेट, और रूस से एस–400ट्रायम्फ जैसे कई दूसरे हथियार। यहां तक कि उन क्षेत्रों जहां भारत विदेशी सहयोग से रक्षा उपकरण बना रहा है, में भी देश अभी भी विदेशी सबसिस्टम पर बहुत ज़्यादा निर्भर है। हालांकि एयरक्राफ्ट और जहाज जैसे प्लेटफॉर्म भारत में असेंबल किए जा सकते हैं, लेकिन जरूरी हाई–एंड कंपोनेंट अभी भी आयातित किए जाते हैं, जिससे आपूर्ति श्रृंखला कमजोर हो जाती है। पिछले कुछ सालों में, भारत ने कई राफेल सौते किए हैं। इनमें लगभग 7.87 अरब यूरो (लगभग 58,891 करोड़ रुपये) के 36जेट शामिल हैं और हाल ही में भारतीय नौसेना के लिए 26 नेवल वेरिएंट के सौदे हुए हैं, जिसकी कीमत 64,000 करोड़ रुपये है। भारत में बने जेट के साथ क्वालिटी एश्योरेंस के मुद्दों पर कई सालों तक बातचीत चलने के बाद भारत ने 2015 में फ्रांस से 126 राफेल फाइटर खरीदने के समझौते को रद्द कर दिया था। 1950 में, पड़ोसी चीन की अर्थव्यवस्था और रक्षा भारत की तुलना में बहुत कमजोर थी। आज, चीन खुद को अमेरिका और रूस के बाद दुनिया की सबसे सेल्फ–प्रोपेल्ड घातक मिलिटरी ताकतों में से एक मानता है। भारत के आयात पसंद करने वाले राजनीतिक शासकों की वजह से, देश को एडवांस्ड मिलिट्री टेक्नालॉजी, खासकर जेट इंजन, एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्डऐरे (एईएसए) रडार, मिसाइल सीकर और स्टील्थ टेक्नालॉजी विकसित करने में बड़ी कमियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत का रक्षा अनुसंधान और विकास खर्च दूसरे देशों के मुकाबले बहुत कम है। डीआरडीओ को 2025–26 में कुल रक्षा बजट का सिर्फ 3.94 प्रतिशत मिलेगा। लंबे खरीद चक्र और आर एंड डी परियोजनाओं में बहुत ज़्यादा देरी से आधुनिकीकरण में रुकावट आ रही है। भारत के पास यूएवी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए काफी, विश्व स्तरीय परीक्षण अवसंरचना भी नहीं है, जिससे देशी उत्पादनों के विकास और प्रमाणीकरण में कमी आ रही है। भारत के लगभग 80 प्रतिशत रक्षा उपकरण रूस के होने के कारण, रूस देश की रक्षा क्षमताओं का एक अहम हिस्सा बना हुआ है। रूस तब सामने आया जब पश्चिमी मिलिटरी ताकतों ने भारत को हाई–एंड हथियार आपूर्ति करने से लगभग मना कर दिया था। भारत–रूस रक्षा भागीदारी सिर्फ खरीदार–विक्रेता संबंध से बढ़कर संयुक्त विकास और उत्पादन तक फैली हुई है। भारत में मौजूद बड़े खतरनाक रूसी प्लेटफॉर्म में सुखोई एसयू–30एमकेआई (जो रूस की मदद से भारत में बना), टी–905 भीष्म्य और टी–22मुख्य लड़ाकू टैंक, ब्रह्मोसक्रूज मिसाइल, रूस में बनी सबमरीन, जिसमें लीज पर लिए गए न्यूक्लियर–पावर्ड जहाज (अकुला–2) और आईएनएस विक्रमादित्य जैसे एयरक्राफ्ट कैरियर और बहुत ज़्यादा इस्तेमाल होने वाले एमआई–17परिवहन हेलीकॉप्टर शामिल हैं। लंबे समय तक, भारत ने अपने निजी क्षेत्र को रक्षा उत्पादन में आने नहीं दिया, हालांकि वह हथियारों और गोला–बारूद के आयात के लिए विदेशी निजी कंपनियों के साथ सौदा करने में हमेशा खुश था। इत्तेफाक से, डसॉल्ट एविएशन का मालिकाना हक मुख्य रूप से एक फ्रेंच फैमिली होल्डिंग कंपनी, ग्रुप इंडस्ट्रियल मार्सेलडसॉल्ट (जीआईएमडी) के पास है। कंपनी पर परिवार का कड़ा नियंत्रण है, जिसके पास लगभग 67प्रतिशत इक्विटी शेयर हैं। एयरबस के पास लगभग 10प्रतिशत शेयर हैं। भारत में रक्षा विनिर्माण में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 2024–25 में कुल उत्पादन का सिर्फ 23प्रतिशत थी, जिसमें ज़्यादातर लो–एंड उत्पादन थे। यूएवी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स जैसी अत्याधुनिक प्रद्योगिकी के लिए विश्वस्तरीय परीक्षण अवसंरचना की कमी से देशी उत्पादन के विकास और प्रमाणीकरण में देरी होती है। शुरू में, चीन भी रूसी रक्षा आपूर्ति पर निर्भर था। लेकिन, कम्युनिस्ट शासन ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बहुत प्राथमिकता दी और सालों से रक्षा उत्पादनों की हाई–एंड मैन्युफैक्चरिंग के लिए दुनिया भर में एक बड़ा दावेदार बन गया। चीन का एक लो–टेक हथियार आयातक से एक हाई–एंड देशी डिफेंस मैन्युफैक्चरर और निर्यातक बनना एक लंबे समय की, सरकार की बनाई रणनीति से हुआ है, जिसमें अनुसंधान और विकास में भारी निवेश, इंटेंस मिलिट्री–सिविल फ्यूजन (एमसीएफ), और विदेशी प्रौद्योगिकी का लक्षित प्रदर्शन शामिल है। पिछले दस सालों में, चीन दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनकर उभरा है, जिसके पास स्टील्थ फाइटर्स (जे–20, जे–35), एयरक्राफ्ट कैरियर (फुजियान), और हाइपरसोनिक मिसाइलों की क्षमता है जो पश्चिमी प्रौद्योगिकी की बेहतरी को चुनौती देते हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) के वैश्विक हथियारों के हस्तांतरण, निर्यात मात्रा और अतिविकसित सैन्य प्रौद्योगिकी के विकास के आंकड़े के आधार पर, हाई–एंड डिफेंस इक्विपमेंट (2020–2024) बनाने वाले सर्वोच्च 10 देशों में एयरोस्पेस, नेवल और मिसाइल प्रौद्योगिकी में भारी निवेश करने वाली बड़ी ताकतें सबसे ज़्यादा हैं। ये देश हैंरू यूनाइटेड स्टेट्स, फ्रांस, रूस, चीन, जर्मनी, इटली, यूनाइटेड किंगडम, इजराइल, स्पेन और साउथ कोरिया। हालांकि, भारत अभी भी चीन और पाकिस्तान जैसे बहुत ज़्यादा लड़ाकू पड़ोसियों से अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुत ज़्यादा विदेशी आयात पर निर्भर है।

मेष :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य व कायरें में व्यस्त रहेंगे। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभ :– रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी। सामाजिक कायरे में व्यस्त रहेंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा।

मिथुन :– वाक्यपटुता व व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कर्क :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक बनेगी। अतरू इसे सुधारें। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करें।

सिंह :– नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत् व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरे की पूर्ति में विलम्ब कतई न करें।

कन्या :– कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

तुला :– निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई सारी चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक :– नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में स्थिति अनुकूल होगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

धनु :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओं को सकार करने से पूर्व गहन सोच–विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर :– मर्यादा व पद का ख्याल रखते हुए अपने उच्छृंखल मन पर नियन्त्रग्ररखें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कुंभ :– महत्वपूर्ण कायरें की पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओं पर भरोसा रख अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फलीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

मीन :– नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

उलटा पड़ सकता है किताब को लेकर मुकदमे का दांव

राजेंद्र शर्मा

> *चूंकि उस किताब की सॉफ्ट कॉपी ऑनलाइन सर्कुलेट हो चुकी है और अभी भी हो रही है, लिहाजा दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दिल्ली में संगीन अपराधों पर नियंत्रण पाने में नाकाम दिल्ली पुलिस अब इस मामले की जांच–पड़ताल ।*

सर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित रूप से प्रकाशितध्अप्रकाशित किताब सरकार के लिए बड़ी परेशानी का सबब बन गई है, जिससे उबरने के लिए उसे पुलिसिया कार्रवाई का सहारा लेना पड़ा है। चूंकि उस किताब की सॉफ्ट कॉपी ऑनलाइन सर्कुलेट हो चुकी है और अभी भी हो रही है, लिहाजा दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दिल्ली में संगीन अपराधों पर नियंत्रण पाने में नाकाम दिल्ली पुलिस अब इस मामले की जांच–पड़ताल में अपनी ऊर्जा खपाएगी कि आखिर यह किताब पीडीएफ फार्मेट में कैसे ऑनलाइन लोगों तक पहुंच रही है। जनरल नरवणे की यह वही किताब है जिसके हवाले से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोकसभा में सरकार से सवाल पूछना चाहते थे लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई और उसने किताब के अस्तित्व को ही नकार दिया। दरअसल जनरल नरवणे की किताब श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश के प्रकाशित होने या नहीं होने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। सरकार का कहना है कि उसने अभी किताब को छापने की मंजूरी नहीं दी है। विवाद बढ़ने पर प्रकाशक पेंग्विन इंडिया की ओर से भी कहा गया कि उसने अभी किताब नहीं छापी है। मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों और कुछ वेबसाइटों पर किताब की पूर्व प्रकाशित पीडीएफ कॉपी मिल रही है। किताब का आवरण भी ऑनलाइन मार्केटिंग एजेंसी अमेजन के प्लेटफॉर्म पर दिखाया जा रहा है, जैसे कि किताब खरीदी–बिक्री के लिए उपलब्ध है। चूंकि किताब को प्रकाशित करने की जरूरी मंजूरी रक्षा मंत्रालय से नहीं मिली है, इसलिए किताब का लीक होना सुरक्षा नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की जब पिछले दिनों संसद में भारी हंगामा हुआ। श्द कारवांश मैगजीन में प्रकाशित हुए किताब के कुछ अंशों का हवाला देते हुए राहुल गांधी 2 फरवरी को लोकसभा में कुछ बोलना चाहते थे। किताब के उन अंशों के मुताबिक जनरल नरवणे ने लिखा है कि 2020 में गलवान घाटी में चीन से टकराव के दौरान जब उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को जानकारी दी कि श्चीनी टैंक हमारी ओर आ रहे हैंश, तो लंबे समय तक उन्हें किसी की भी ओर से कोई निर्देश नहीं मिला। बाद में रक्षा मंत्री के मार्फत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश आया– श्जो उचित समझो, वैसा करोश। राहुल गांधी का आरोप है कि मोदी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई और सेनाध्यक्ष को अकेला छोड़ दिया। राहुल गांधी का कहना है कि किताब से चीन के आक्रामक रवैये पर प्रधानमंत्री की ठंडी प्रतिक्रिया की पोल खुल रही है इसीलिए लोकसभा में स्पीकर ने उन्हें नहीं बोलने दिया और पीएम भी इसी वजह से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस का जवाब देने नहीं आए। बहरहाल किताब को लेकर दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने जांच शुरू कर दी है कि किताब पीडीएफ फार्मेट में सोशल मीडिया तक कैसे पहुंची। जांच की आंच राहुल गांधी तक भी पहुंचनी तय है क्योंकि उन्होंने संसद परिसर में किताब की प्रकाशित प्रति भी दिखाई है। कहने की आवश्यकता नहीं कि एफआईआर राहुल को निशाना बनाकर ही दर्ज की गई है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों से देश में श्एफआईआर क्रांतिश चल रही है। खास तौर से उत्तर–पश्चिमी भारत के राज्यों में पिछले कुछ वर्षों से मुट्ठी भर लोगों ने अपनी भावनाएं आहत होने के नाम पर तांडव मचा रखा है और सत्ता के प्रभावशाली पदों पर बैठे उनके आका अपने घटिया स्वार्थों के लिए उनकी आहत भावनाओं को शह देने का काम कर रहे हैं। इन लोगों की ये भावनाएं कभी अखबारों या सोशल मीडिया में आए किसी कार्टून, तस्वीर, लेख या विज्ञापन से, तो कभी किसी फिल्म, नाटक, कॉमेडी शो, मिमिक्री, किताब या किसी गीत से आहत हो जाती है। सरकार की आलोचना को देशद्रोह मानकर उससे भी कई लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले सामने आते रहते हैं। आहत होने वाली ऐसी तमाम भावनाओं को सहलाने के लिए पुलिस भी बिल्कुल तैयार बैठी रहती है। किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिए चोरी, डकैती, लूट, जानलेवा हमला, ठगी, धोखाधड़ी, बच्चे की गुमशुदगी, वाहन चोरी या वाहन दुर्घटना, यहां तक कि गंभीर से गंभीर यौन अपराध की एफआईआर लिखवाना भी आसान काम नहीं है। इसके लिए पुलिस की मिन्नतें करना पड़ती हैं या किसी प्रभावशाली नेता से सिफारिश करानी पड़ती हैय और कभी–कभी पुलिस की जेब भी गरम करना पड़ती है। अगर पीड़ित व्यक्ति की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो उसे पुलिस से अपमानित भी होना पड़ता है। किसी तरह से अगर एफआईआर दर्ज हो भी जाए तो इस बात की गारंटी नहीं।

मृणाल ठाकुर

अच्छा इंसान मिल जाए तो झटपट शादी कर लूं, बचपन से ही ख्वाब देख रही

धनुष के साथ रिलेशनशिप को लेकर इन दिनों चर्चा में रहीं मृणाल ठाकुर ने अब अपनी शादी पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा– मैं लाल जोड़े में दुल्हन बनने के लिए रेडी हूं। मेरे माता–पिता भी अब अपने नाती–नातिन के लिए तैयार हैं। छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अलावा तेलुगू इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म श्दो दीवाने शहर मेंश को लेकर। इस खास मुलाकात में मृणाल प्यार–मोहब्बत, शादी और जीवनसाथी पर खुल कर बात करती हैं। पहली बार स्कूल में अपने क्लासमेट के प्रति आकर्षित हुईं मृणाल अपने स्कूली आकर्षण के बारे में कहती हैं, श्दूसरी कक्षा से लेकर सातवीं कक्षा तक एक लड़का मुझे बहुत पसंद था, मगर मैं इतनी शर्मीली थी कि कभी कुछ कह ही न नहीं पाई। मेरी हिम्मत ही नहीं हुई कि मैं मैं अपनी भावनाओं का इजहार कर पाती और उसके बाद मेरे पापा का ट्रांसफर हो गया और मैं दूसरे शहर चली गई, तो वो किस्सा एक कसक बन कर रहा गया। उसके बाद तो हमारे लिए हमारे आकर्षण फिल्मी हीरो ही रहे।श अपने पहले किस के बारे में बताना मुझे काफी पर्सनल लगता है, मगर इतना बता सकती हूं कि उस वक्त मैं कॉलेज में थी, जब ये हुआ था। ऋतिक, शाहिद और जॉन को लेकर थी पागल अपने बचपन और ग्रोइंग इयर्स के अट्रैक्शन के बारे में वे हंसते हुए वे कहती हैं, श्वो इनफैचुएशन नहीं बल्कि ऑब्सेशन था और वो था तीन हीरोज के प्रति। मेरी किताबों में इन हीरोज के कटआउट्स हुआ करते थे। उन फोटो के कटआउट्स को मैं छिपा–छिपा कर रखती थी और वो हीरो थे, ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और जॉन अब्राहम। आपको हंसी आएगी सुनकर, मगर जो साड़ी के बॉक्स आते थे, उस पर मैं और मेरी बहन इन हीरोज के फोटो काट कर चिपका देते और उन्हें बुकमार्क के रूप में संजो कर रखते थे। पापा को पता चलता कि हम लोग हीरोज के पिक्स काट–काट कर लगाते हैं, तो बहुत डांट पड़ती थी कि हम पढ़ाई के बजाय ये क्या कर रहे हैं? तकदीर देखिए, इन तीनों हीरोज के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। रितिक के साथ मैंने सुपर 30 की, शाहिद कपूर के साथ जर्सी तो जॉन अब्राहम संग बाटला हाउस। मैं और मेरी बहन कई बार एक –दूसरे को देख कर बातें करते, हम लोग कहां से आए और आज कहां पहुंच गए। वाकई कई बार चूंटी काटने को दिल करता कि क्या ये सच है। सच में रितिक, जॉन और शाहिद के साथ काम करते हुए कई बार मंत्रमुग्ध भी हुई हूं। जॉन को हम जोनेमन बुलाते हैं। वो अक्सर मेरी बहन का हाल–चाल पूछने के लिए मुझे कॉल करते हैं। शाहिद को मैं एक एक्टर के रूप में बहुत पसंद करती हूं, तो कई बार मैं इतनी खो जाती कि अपने डायलॉग्स भूल जाया करती थी। शाहिद के साथ शूटिंग के पहले ही दिन मुझे थप्पड़ मारना था, मेरा तो कल्याण ही हो गया था। मैं बहुत नर्वस थी। वाकई बहुत ही अविश्वसनीय है ये जर्नी। मेरी बहन मेरा मेकअप भी करती है, तो आज ही सुबह वो रो पड़ी थी, ये सोचा कर कि हम जिस इंडस्ट्री में यहीं, हमने उसके बारे में सोचा ही नहीं था।श सही समय पर शादी होना जरूरी है मृणाल ठाकुर ने शादी के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए उन्होंने कहा, श्मुझे लगता है, चाहे वे मेरे पैरंट्स हों या किसी और के शादी के बारे में जो कहते हैं, गलत नहीं कहते। शादी समय पर होना जरूरी है। मैं पहले इस बात को नहीं समझती थी, मगर अब समझती हूं। जैसे हमारी हथेली की पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं हो सकती, वैसे ही जिंदगी में सब कुछ एक समान नहीं हो सकता। पहले मैं सोचती थी कि करियर सेटल कर लूं तब शादी करूं, मगर अब ऐसा नहीं सोचती। हमारी इंडस्ट्री में कई हीरोइन ऐसी हैं, जिनकी शादी भी हो गई, करियर भी अच्छा चल रहा है और बच्चे भी हो गए हैं, क्योंकि आप अभी नहीं करेंगे, तो कब शादी करेंगे? साफ बात है कि शादी का प्रेशर मुझ पर था। मगर मैंने अपने माता–पिता को एक बात समझाई कि मुझे करने के लिए नहीं करनी शादी।श मुझे अब तक शिद्दत वाला, मर–मिटने वाला प्यार नहीं हुआ, मगर मैंने देखा है अपने आस–पास ऐसे कई लोगों को जिन्हें अपनी रिलेशनशिप के कुछ ही महीनों में पता चल जाता है कि वो एक–दूसरे के लिए बने हैं। मैं बस उसी प्यार की तलाश में हूं, जब भी वो मुंबई आना चाहे, मुझसे मिल सकते हैं और मैं उस पागलों वाले प्यार में पड़ने के लिए तैयार हूं। मैं लाल जोड़े में दुल्हन बनने के लिए रेडी हूं। मेरे माता–पिता भी अब अपने नाती–नातिन के लिए तैयार हैं। भयंकर झगड़े के बाद भी वो मुझे गले लगाए अपने भावी साथी को लेकर भी मृणाल ने हमसे बात की। उन्होंने कहा, श्मुझे एक अच्छा इंसान मिल जाए, जिससे मेरा दिल भी मिले, हमारे बीच कंपैटिबलिटी हो और मुझे सारी चीजें आसान लगे, तो मैं बेशक झटपट कर लूंगी शादी। आज कल डिवोर्स रेट बढ़ गए हैं और शादियां करने से लोग कतराने लगे हैं। तो मुझे बेमेल शादी करके वो गलती नहीं करनी। मेरा तो बचपन से ख्वाब रहा है शादी करने का। मुझे लाल जोड़ा और लाल चूड़ियां पहनकर दुल्हन बनना है। मैं सिंदूर से अपनी मांग भरूं और मंगलसूत्र पहनूं। मुझे लगता है शादी हर लड़की का ख्वाब होता है, मगर बस जरूरत होती है एक ऐसे इंसान की, जिसे देखकर लगे हां, यही है वो। मैं जीवनसाथी के रूप में एक ऐसा लड़का चाहती हूं, जो मेरे मामले में हार न माने। मैं जानती हूं कि कई बार मैं जरूरत से ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं। हर किसी में नेगेटिव ट्रेट्स होते हैं, मगर मुझे लगता है कि एक ऐसा इंसान हो जो भयंकर झगड़े के बावजूद मुझे गले लगाए। मृणाल रिलेशनशिप की अहमियत को समझाते हुए कहती हैं, श्मेरे लिए तो रिलेशनशिप में सबसे अच्छी बड़ी बात ये है कि मैं जैसी हूं, मुझे उसी रूप में स्वीकार करें और तुम जैसे हो, मेरे लिए काफी हो। तुम्हारी खामियां मेरे लिए मायने नहीं रखती। मेरे लिए अहम है कि मैं तुम्हारे साथ खुश रहूंगी। रिलेशनशिप में एक–दूसरे का उत्थान करके अगर हम बेहतर इंसान बन पाएं, प्रोग्रेस और ग्रो करें।

रश्मि देसाई के लिए गंदे शब्द कहते थे.. इस एक्ट्रेस ने सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर किया दावा, रैगिंग का भी लगाया आरोप

दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन फैंस अक्सर उन्हें समय–समय पर याद करते रहते हैं और उनसे जुड़ी यादें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। इसी बीच हाल ही में टीवी शो 'शक्तिमान' फेम एक्ट्रेस वैष्णवी मैकडोनाल्ड ने दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ लेकर शॉकिंग दावा किया और कहा कि 'दिल से दिल तक' शो के सेट पर वो रश्मि देसाई और जैस्मिन भसीन के साथ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। दरअसल, वैष्णवी मैकडोनाल्ड ने एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला के साथ टीवी सीरियल 'दिल से दिल तक' में उनकी मां का रोल निभाया था। तो हाल ही में एक इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या उनका सिद्धार्थ के साथ मजबूत रिश्ता था। तो उन्होंने इस पर बात से इनकार करते हुए कहा कि शूटिंग के पहले दिन सिद्धार्थ उनसे मिले थे। तब उन्हें वो क्यूरियस और समझदार लगे थे। वैष्णवी ने आगे कहा कि बिग बॉस में उनकी जो छवि दिखाई गई वो असल में वैसे नहीं थे। शो में उन्हें अच्छा और स्वीट दिखाया गया। शहनाज गिल के साथ उनकी प्यार भरी लव स्टोरी को दिखाया गया, जिससे उनका मानना है कि कहानी का रुख बदल गया। एक्ट्रेस ने रश्मि देसाई और जैस्मिन भसीन के साथ एक्टर के व्यवहार का भी खुलासा किया और बताया कि जब वो रश्मि के बारे में बोलते थे और जो कुछ भी हो रहा था वो उन्हें परेशान करता था। वो यह नहीं कहती हैं कि रश्मि एकदम परफेक्ट हैं। वैष्णवी ने बताया कि सिद्धार्थ बहुत भद्दे शब्दों का इस्तेमाल करते थे। 'बिग बॉस' में जो दिखाया गया, वो उसके बिल्कुल उलट थे। वहीं, रश्मि को लेकर उन्होंने कहा कि वो एकदम अलग हैं। अपनी मांगे अलग तरीके से रखती थीं। गलत शब्दों का इस्तेमाल नहीं करती थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि सिद्धार्थ शुक्ला गलत थे। उन्हें याद है और उस समय कुछ ऐसा माहौल बनाया जा रहा था कि रश्मि को गलत तरीके से पेश किया जा रहा था। जैसे वही समस्या पैदा करती हों। वैष्णवी के मुताबिक, सेट पर सिद्धार्थ का महिलाओं के साथ व्यवहार सम्मानजनक नहीं था। वो रश्मि और जैस्मिन दोनों के साथ कभी दोस्त बनते, कभी किसी के साथ मिलकर दूसरी को टारगेट करते। उन्होंने सिद्धार्थ पर सेट पर उनके साथ रैगिंग का भी आरोप लगाया और कहा कि वो उनके लिए गंदी भाषा का इस्तेमाल करते थे। बातें सबके सामने होती थीं। इसके साथ ही वैष्णवी ने एक घटना को भी याद किया और बताया कि एक बार उनका शॉट तैयार था लेकिन सिद्धार्थ गुस्से में उन्हें देख रहे थे। शायद रश्मि और जैस्मिन उनके व्यवहार को मजाक में लेती थीं इसलिए उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा। एक्ट्रेस का कहना है कि अगर वो आवाज उठातीं तो वो उनका साथ जरूर देतीं। उन्होंने खुद इस व्यवहार को नजरअंदाज किया ताकि प्रोड्यूसर को नुकसान ना हो। एक समय ऐसा भी आया था जब सिद्धार्थ को सेट से बाहर जाने को कहा गया था लेकिन बाद में चौनल की मांग पर उन्हें वापस बुला लिया गया था। बता दें, सिद्धार्थ शुक्ला का सितंबर, 2021 को निधन हो गया था। उनका निधन हार्ट अटैक से हुआ था, जिससे उनके फैंस और इंडस्ट्री के बीच शोक की लहर दौड़ गई थी। सिद्धार्थ कई टीवी शोज में नजर आए थे, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी बिग बॉस 13 से मिली थी और वो इस शो के विनर भी रहे थे।

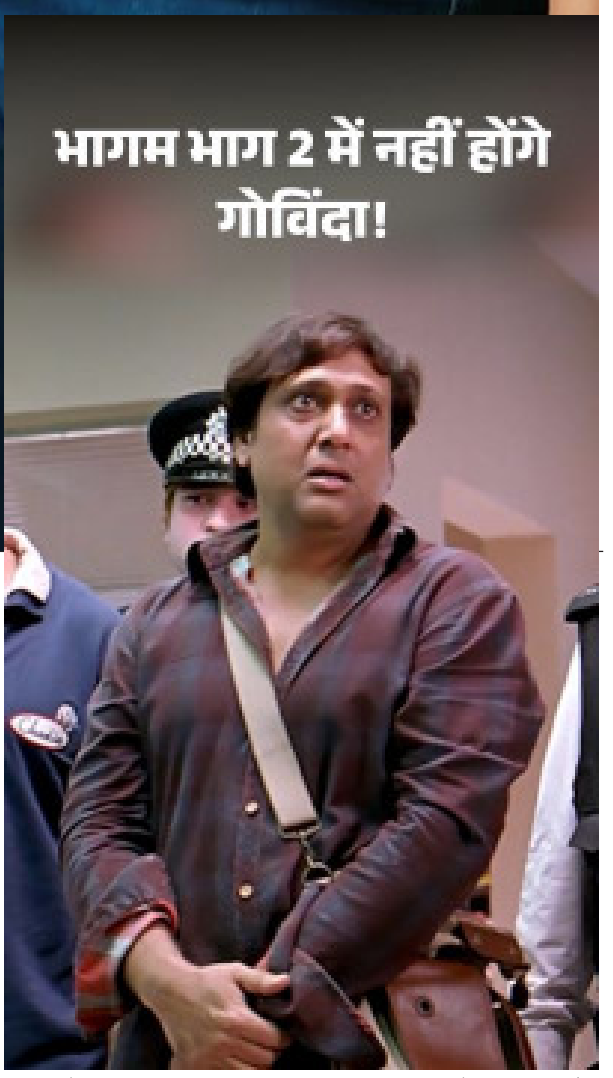

कॉमेडी फिल्म भागम भाग का सीक्वल बनने जा रहा है। भागम भाग 2 में अक्षय कुमार और परेश रावल की वापसी होगी, जबकि सीक्वल में मनोज बाजपेयी को गोविंदा की जगह कास्ट किया गया है। वैरायटी इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भागम भाग 2 में अक्षय कुमार और परेश रावल पहले पार्ट की तरह नजर आएंगे। वहीं, फिल्म में मनोज बाजपेयी की एंट्री होगी। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ मीनाक्षी चौधरी लीड रोल में होंगी। मनोज बाजपेयी के अपोजिट एक्ट्रेस को लेकर बातचीत चल रही है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होगी। सीक्वल की कहानी गलत पहचान, कॉमेडी ऑफ एरर्स और बढ़ती अफरा–तफरी पर आधारित होगी, जो ओरिजिनल फिल्म के इमोशन को बनाए रखेगी। भागम भाग 2 का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे बता दें कि भागम भाग साल 2006 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। वहीं, भागम भाग 2 का निर्देशन राज शांडिल्य करेंगे। प्रियदर्शन इस बार फिल्म से जुड़े नहीं हैं, क्योंकि वह पहले से अक्षय के साथ दूसरी फिल्मों में व्यस्त हैं।

भाबीजी घर पर हैं सिनेमाघरों में 6 फरवरी को रिलीज हो चुकी है. इस फिल्म में भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ भी अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं. इसी बीच निरहुआ ने भोजपुरी फिल्मों को लेकर बात की. एक्टर ने बताया कि आखिर भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री क्यों पिछड़ रही है.

उन्होंने बताया कि भोजपुरी इंडस्ट्री अब भी बजट की कमी से जूझ रही है. जूम को दिए इंटरव्यू में निरहुआ ने ये बात बताई कि आखिर क्यों तेलुगु सिनेमा को ग्लोबल लेवल पर पहचान मिल रही है. वहीं, भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को उस तरह से पॉपुलैरिटी नहीं मिल पाई है.

भोजपुरी की बजट पर निरहुआ का खुलासा

निरहुआ ने कहा,श्वो फिल्म के बजट का भी दायरा होता है. अगर किसी भी फिल्म का बजट ज्यादा होता है तो बड़े स्केल पर मेकर्स फिल्में बना पाते हैं. लेकिन, भोजपुरी इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है.वहां बजट लिमिट है.श निरहुआ ने इस दौरान भाबीजी घर पर हैं सीरियल के बारे में भी बात की.

उन्होंने कहा कि ये फिल्म भारत के सभी दर्शकों को पसंद आएगी. उन्होंने कहा,श्चाहे मराठी हो, पंजाबी हो, तेलुगु हो, तमेलियन हो या हिंदी हो, भाबीजी घर पर हैं ऐसी फिल्म है जो सबको पसंद आएगी.श भाबीजी घर पर हैं 2 में निरहुआ, रवि किशन, मुकेश तिवारी, आसिफ शेख, रोहिताश्व गौड़ और शुभांगी अत्रे जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं.

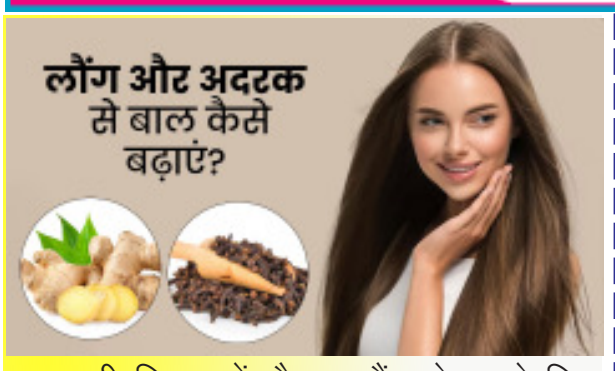

हमारी किचन में मौजूद लौंग सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। क्या आप जानते हैं कि सिर्फ एक लौंग रात भर मुंह में रखने से हेल्थ के लिए गेम–चेंजर हो सकता है? लौंग मे कई गुण होते हैं जो सहेत के लिए बेहद ही लाभकारी है। हर भारतीय किचन के मसालों में लौंग का इस्तेमाल विशेष रुप से किया जाता है।

जब स्वास्थ्य की बात आती है तो आहार में छोटी–छोटी चीजें शामिल करने से बड़ा अंतर आ सकता है। लौंग एक प्रकार से हेल्थ के लिए फायदेमंद होती है इसमें शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों वाला एक छोटा सा मसाला, न केवल एक फीके व्यंजन को स्वादिष्ट में बदल देता है, बल्कि आपके शरीर को शक्तिशाली पोषक तत्वों की आपूर्ति भी करता है जो बीमारियों और संक्रमणों को दूर रख सकते हैं। पाचन स्वास्थ्य के लिए अद्भुत काम करता है, चाहे जोड़ों का दर्द हो या जी मिचलाना हो। सूजन या दांत स्वास्थ्य समस्या, लौंग का एक छोटा सा टुकड़ा कई लक्षणों से राहत दिला सकता है। हर भारतीय किचन के मसालों में लौंग का इस्तेमाल विशेष रुप से किया जाता है। यह खाने के स्वाद बढ़ाने के साथ–साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रात के सोते समय मुंह में दो लौंग रखने से सेहत को बेहद फायदा मिलता है।

गट हेल्थ में फायदेमंद

लौंग में एंटीऑक्सिडेंट के गुण होते हैं और इसका सीधा फायदा गट हेल्थ को मिलता है। इससे गैस, अपच, एसिडिटी और कब्ज जैसी परेशानियां को दूर करता है।

शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है

लौंग में पाए जाने वाले गुण शुगर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकते हैं। प्रीडायबिटीज वाले और बिना मधुमेह वाले लोग, जिन्होंने 30 दिनों तक प्रतिदिन 250 मिलीग्राम (मिलीग्राम) लौंग का अर्क लिया, उनमें भोजन के बाद शुगर काफी कम पाया गया। लौंग का रस बॉडी में इंसुलिन का तरह काम करता है। रात के समय मुंह में लौंग रखने से डायबिटीज कंट्रोल मे रहती है।

लिवर के स्वास्थ्य में सुधार

लौंग को रात के समय मुंह में रखने से विषाक्त पदार्थ थायोएसिटामाइड के कारण होने वाली लिवर की क्षति में सुधार किया जाता है। इससे लिवर में फ्री रेडिकल्स से सुरक्षित रहता है और डैमेज सेल्स की मरम्मत हो जाती है।

यूटीआई में राहत

लौंग में मौजूद इथेनॉलिक तत्व बैक्टेरिया की रोकथाम करता है। इसलिए रात को सोते समय मुंह में लौंग रखने से यूरीन ट्रैक में इंफेक्शन की समस्या से बचाव होता है।

मुंह के बदबू से छुटकारा

लौंग मे कई गुण होते है जो मुंह की बदबू और दांतो के दर्द को दूर करने में मदद कर सकता है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान है, तो रात को आप मुंह में लौंग जरुर रखें।

मोटापा कम करे

लौंग में एंटी–ओबेसिटी के गुण होते हैं, जो वजन को कम करने में मदद कर सकता है। इसलिए आप रात के समय में मुंह में लौंग जरुर रखें।

कुछ लोग नाश्ते में रोज दही का सेवन करते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर दही नाश्ते में खाना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, प्रोटीन, मिनरल्स, आयरन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और फोलिक एसिड मौजूद होता है। यह सारे पोषक तत्व सेहत को ढेरों फायदे देने में मदद करते हैं। सुबह नाश्ते में इसका सेवन करने से शरीर को एनर्जी मिलती है। दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं जो आंत में गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। नाश्ते में दही खाने से और भी ढेरों फायदे मिलते हैं। तो आइए जानते हैं।

पाचन रहेगा स्वस्थ

दही में पाए जाने वाले गुण पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से दस्त, कब्ज जैसी समस्याओं से भी बचाव होता है। इसके अलावा दही में विटामिन–बी12 और लैक्टोबेसिल्स बैक्टीरिया पाया जाता है जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया के विकास में मदद करता है। दही का सेवन करने से पाचन क्रिया बेहतर होती है और पाचन संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलती है। यदि आपका पाचन तंत्र कमजोर है तो नाश्ते में दही का सेवन जरुर करें।

हड्डियां बनेगी मजबूत

नाश्ते में दही खाने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। दही में कैल्शियम, प्रोटीन और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। रोजाना नाश्ते में दही का सेवन करने से अर्थराइटिस और हड्डियों से जुड़ी समस्याओं में लाभ होता है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

नाश्ते में दही का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत बनती है। इसमें विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है ऐसे में यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। दही का सेवन करने से आप कई तरह की बीमारियों और इंफेक्शन से भी दूर रहेंगे।

वजन कम करने में मिलेगी मदद

दही में प्रोटीन और कैल्शियम अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं ऐसे में यह वजन घटाने में मदद करता है। दही में पाए जाने वाले गुण शरीर में कार्टिसोल हार्मोन को कम करते हैं जिससे तनाव कम होता है और वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और मेटाबॉल्जिम को बूस्ट करने में मदद करते हैं। नाश्ते में दही खाने से शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को रोकने में भी मदद मिलती है।

हाई बीपी रहेगा कंट्रोल

यदि आपका बीपी बढ़ता है तो भी आपके लिए दही का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मैग्नीशियम पाया जाता है जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है। दही शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करता है जिससे दिल संबंधी बीमारियों का जोखिम भी कम होता है।

नोटः सुबह नाश्ते में दही का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि खाली पेट दही न खाएं नहीं तो एसिडिटी की समस्या बढ़ सकती है।

कद्दू की सब्जी ऐसी है, जिसका नाम सुनते ही सारे मुंह बनाने लगते हैं। इसका स्वाद किसी को पसंद नहीं आता है। वहीं इसकी सब्जी बनाते हुए लोग बीज फेंक देते हैं। शायद वो इस बात से अनजान हैं कि कद्दू के बीज के कई सारे ब्यूटी बेनेफिट्स भी होते हैं। जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने। आइए आपको बताते हैं कि कद्दू के बीज को ब्यूटी ट्रीटमेंट में कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

कद्दू फेस मास्क

कद्दू की प्यूरी में शहद और दूध की कुछ बूंदें मिलाकर एक फेस मास्क बना सकते हैं। स्किन रीजूविनेट करने में मदद करेगी।

कद्दू एंजाइम और अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) से भरपूर होता है, जो स्किन को एक्सफोलिएट करता है, इससे त्वचा में निखार आता है। ये मास्क लगाने से पहले चेहरे को साफ कर लें और फिर इसे 15–20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

कद्दू बॉडी स्क्रब

कद्दू को बॉडी स्क्रब के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कद्दू की प्यूरी में ब्राउन शुगर और जैतून के तेल को मिलाकर बॉडी स्क्रब के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। ब्राउन शुगर और कद्दू मिलकर अपने नेचुरल एंजाइम्स के साथ त्वचा को धीरे से एक्सफोलिएट करते हैं। जैतून का तेल को गहराई से मॉइश्चराइज करता है, जिससे स्किन सॉफ्ट और स्मूद हो जाती है।

कद्दू हेयर मास्क

ड्राई और डैमेज बालों से छुटकारा पाने के लिए महंगे ट्रीटमेंट लेने के बजाए कद्दू का हेयर मास्क लगाएं। गजब का फायदा मिलेगा और बाल जड़ से स्ट्रांग होंगे। इसके लिए बस कद्दू की प्यूरी को दही और 1 चम्मच नारियल तेल में मिला लें। कद्दू विटामिन ए और सी से भरपूर होता है, जो बालों के विकास में मददगार है। इससे बाल जल्दी बड़े होते हैं। वहीं दही में मौजूद प्रोटीन और नारियल तेल बालों की स्थिति को ठीक करता है। गीले बालों पर इस मास्क को लगाएं, 30 मिनट के लिए इसे लगा छोड़ दें। फिर शैंपू और कंडीशन करें।

लगभग हर किसी को साउथ इंडियन फूड काफी ज्यादा पसंद होता है। क्योंकि यह काफी हेल्दी होता है। वहीं कई लोग घर पर बाजार जैसा डोसा बनाने का प्रयास करते हैं। लेकिन लोहे के तवे पर यह चिपक जाता है।

लगभग हर किसी को साउथ इंडियन फूड काफी ज्यादा पसंद होता है। तो वहीं सेलिब्रिट्री भी साउथ इंडियन फूड को लेकर अपना प्यार जग जाहिर कर चुके हैं। कई एक्टर और एक्टर्स ने यह भी बताया कि सांभर और चटनी के साथ वह नाश्ते में डोसा खाना पसंद करते हैं। क्योंकि यह काफी हेल्दी होता है। वहीं कई लोग घर पर बाजार जैसा डोसा बनाने का प्रयास करते हैं। लेकिन लोहे के तवे पर यह चिपक जाता है। जिससे न सिर्फ डोसा का टेस्ट खराब होता है, बल्कि तवा भी खराब हो जाता है।

ऐसे में अगर आप भी मार्केट जैसा डोसा घर पर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एकदम मार्केट जैसा कुरकुरा डोसा बनाने के टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में डोसा बनाने के दौरान आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

गंदा न हो तवा

अगर आप भी घर पर डोसा बनाना चाहती हैं, तो पहले तवे को अच्छे से साफ कर लें। तवे पर तेल या गंदगी नहीं लगी रहेगी, तो डोसा सही नहीं बनेगा। इसलिए तवे को अच्छे से साफ करने के बाद डोसा बनाना चाहिए।

ऐसे चिकना करें तवा

आपको बता दें कि डोसा बनाने के लिए तवा को पहले से तैयार कर लेना चाहिए। तवा को तैयार करने के लिए आलू और प्याज काट लें। फिर आधे कटे आलू व प्याज को तेल में डुबोकर इसको चिकना करें।

तवा को पहले गर्म फिर करें ठंडा

अगर तवे पर लगातार डोसा चिपक रहा है, तो पहले तवे को अच्छे से गर्म करें और फिर ठंडा कर लें। ऐसे में जब आप तवा पर डोसा बनाएंगी तो यह पहले से ज्यादा कुरकुरा बनेगा।

ना करें ऐसी गलतियां

डोसा बनाने के दौरान फ्रिज से बेटर निकालकर तुरंत इस्तेमाल न करें। बेटर को फ्रिज से निकालकर इसको कुछ देर के लिए बाहर रखें। बेटर तैयार करने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि इसमें ज्यादा पानी नहीं डाला गया। क्योंकि बेटर में ज्यादा पानी होने से डोसा फटने लगेगा।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

7

लखनऊ शनिवार, 21 फरवरी 2026

संक्षिप्त

11 साल बाद अमेजन से निकाले गए भारतीय मूल के टेक मैनेजर, बेटी ने दी हिम्मत तो ऐसे की नई शुरुआत

वॉशिंगटन, एजेंसी। हेमंत विरमानी भारतीय मूल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर और टेक मैनेजर हैं, जो अमेरिका के वॉशिंगटन में रहते हैं। वे करीब 11.5 साल तक अमेजन में काम कर चुके थे। अक्तूबर 2025 में कंपनी की छंटनी में उनकी नौकरी चली गई, जिससे उनकी कहानी चर्चा में आ गई। हेमंत अमेजन में सीनियर मैनेजर, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के पद पर थे। उनकी जिम्मेदारी इंजीनियरिंग टीम को लीड करना और टेक्नोलॉजी की लंबी योजना बनाना थी। उनका काम खास तौर पर दुनिया भर में ऑनलाइन सामान बेचने की तकनीक को बेहतर बनाना था। हेमंत ने बताया कि एक रात अचानक ईमेल आया कि उनकी नौकरी खत्म कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अमेजन उनकी जिंदगी का बड़ा हिस्सा बन चुका था, इसलिए यह खबर बहुत कठिन लगी। बता दें कि, हेमंत ने बीआईटीएस पिलानी से सॉफ्टवेयर सिस्टम में मास्टर्स किया और दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (अब डीटीयू) से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल समय में उनकी बेटी ने उन्हें हिम्मत दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वे अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)सीख रहे हैं। एक छोटे एआई प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं ताकि नई स्किल मिल सके। इसके साथ–साथ नई नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं और नेटवर्क बना रहे हैं। उन्होंने कहा, श्मुझे चिंता तो है, लेकिन हो सकता है यह मुश्किल आगे चलकर मेरे लिए अच्छा मौका साबित हो।

एपस्टीन फाइल्स में 'भारतीय' महिला का जिक्र, क्या यौन अपराधी जेफरी की शिकार बनी थी?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग (डीओजे) की ओर से हाल में जारी दस्तावेज किए गए हैं, जो यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के मामले से जुड़े हैं। ये दस्तावेज बताते हैं कि अमेरिकी अधिकारियों ने पीड़ित सहायता योजनाओं के

तहत मुआवजा और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए कथित तौर पर भारत में मौजूद एक महिला का पता लगाने की कोशिश की थी। ईमेल में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) को भेजे गए दस्तावेजों का भी जिक्र किया गया था और यह भी बताया गया था कि पात्र लोगों के लिए आपात पीड़ित सहायता कार्यक्रमों के तहत थेरेप सत्रों के लिए कवरेज उपलब्ध है। ईमेल में दस्तावेज संख्या ईएफटीए00038425 में श्न्यूयॉर्क अपराध पीड़िता के लिए मुआवजे लिंकश का जिक्र है। इसमें लिखा है, कृपया उनसे आवेदन पत्र भरवाकर मुझे भेजें। मैं इसे सीधे एफबीआई के दस्तावेजों के साथ भेज दूंगा। दस्तावेज के एक हिस्सों में यह भी लिखा था– वर्तमान में भारत में रह रही हैं। क्या उनकी मदद के लिए कुछ किया जा सकता है? क्या वे वहां भी छह निशुल्क सत्रों की पात्र होंगी? क्या भारत में कोई संसाधन उपलब्ध कराए जा सकते हैं? ईमेल भेजने वाले का नाम छिपाया गया था। ये रिकॉर्ड तीस जनवरी को अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से सार्वजनिक किए दस्तावेजों का हिस्सा थे। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी 30 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेजों में कई राजनेताओं, राजनयिकों, कारोबारियों और शाही परिवार के सदस्यों के नाम सामने आए। इन दस्तावेजों में उनके अमेरिकी कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधों का खुलासा हुआ, जिसके बाद कई लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। जांच शुरू हुई और कुछ लोगों को अपने पद भी छोड़ने पड़े। पूर्व प्रिंस एंड्रयू को छोड़कर बाकी लोगों पर किसी तरह के यौन अपराध का आरोप नहीं है। हालांकि, दोषी यौन अपराधी साबित होने के बाद भी जेफरी एपस्टीन के साथ दोस्ताना संबंध बनाए रखने के कारण कई लोगों को पद से हटना पड़ा। इन दस्तावेजों का आखिरी हिस्सा 30 जनवरी को अमेरिकी न्याय विभाग ने जारी किया।

भारत के विदेश सचिव ने की जमात-ए-इस्लामी के अमीर से मुलाकात, जानें इस बैठक में हुई क्या बातचीत

ढाका, एजेंसी। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर जमात–ए–इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान से शिष्टाचार भेंट की। यह जानकारी बांग्लादेश स्थित भारतीय उच्चायोग ने अपने आधिकारिक फेसबुक पोस्ट में दी। विदेश सचिव ने डॉ. रहमान को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं और बांग्लादेश के प्रति भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया। उन्होंने दोनों देशों के संबंधों को जन–केंद्रित बताते हुए सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। डॉ. शफीकुर रहमान ने भी दोनों देशों के बीच गहरे सभ्यतागत संबंधों का उल्लेख किया और द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने की उम्मीद जताई। इसी अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और भारत आने का निमंत्रण सौंपा। बिरला ने कहा कि भारत बांग्लादेश के लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सहयोग के लिए तैयार है। बांग्लादेश के भारत में उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह ने ओम बिरला की यात्रा की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि दोनों नेताओं ने दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पत्र में तारिक रहमान को भारत आने का आमंत्रण दिया।

यूएस ने 24 घंटे में पश्चिम एशिया भेजे 50 से ज्यादा लड़ाकू विमानय ईरान की धमकी– ऐसा मारेंगे उठेंगे नहीं

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। पहले खबर आई कि अमेरिका ने अपने दो युद्धपोत पश्चिम एशिया में तैनात किए हैं। जिसके बाद आशंका हुई कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अब खबर आई है कि अमेरिका ने बीते 24 घंटे में 50 से ज्यादा लड़ाकू विमान पश्चिम एशिया भेजे हैं। इसे अमेरिका द्वारा ईरान के आसपास अपनी नौसैन्य और वायु सेना की तैनाती बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पोस्ट

में अमेरिकी सेना को धमकी दी है कि दुनिया की सबसे ताकतवर सेना पर भी ऐसा हमला होगा कि वे दोबारा उठ नहीं पाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका सेना के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में हो रही बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होनी है। बीते हफ्ते ही अमेरिका ने अपने सबसे बड़े युद्धपोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड को पश्चिम एशिया में तैनात किया है। साथ ही यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही पश्चिम एशिया में तैनात है। अब 50 से ज्यादा अतिरिक्त लड़ाकू विमान भेजने को अमेरिका द्वारा ईरान पर दबाव बनाने के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका द्वारा सैन्य तैनाती बढ़ाने के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अमेरिका को धमकी दी है। खामेनेई ने लिखा, श्अमेरिका द्वारा लगातार कहा जा रहा है उन्होंने ईरान की तरफ युद्धपोत भेजा है। बेशक एक युद्धपोत बेहद खतरनाक होता है, लेकिन उससे भी खतरनाक है वो हथियार, जो युद्धपोत को समुद्र की गहराई में डुबो सकता है। खामेनेई ने ईरान की परमाणु महत्वकांक्षा पर भी अपने विचार रखे। खामेनेई ने लिखा श्यह बात कि परमाणु ऊर्जा हमारा हक है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की गाइडलाइंस में भी शामिल है। यानी, सभी देशों को परमाणु और परमाणु संवर्धन रखने का हक है। यह एक देश के हक में से एक है। अमेरिका इसमें दखल क्यों दे रहा है?श

नॉर्वे के प्रधानमंत्री बोले– भारतीय समकक्ष के दौरे का बेसब्री से इंतजार, मजबूत होंगे संबंध

एजेंसी / नॉर्वे । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल के अंत में नॉर्वे की यात्रा कर सकते हैं। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि वे इस साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस यात्रा में द्विपक्षीय सहयोग का और विस्तार होगा। ओस्लो में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात के दौरान स्टोर ने भारत की सुधार संबंधी प्रगति की सराहना की। वहीं, उन्होंने कहा कि नॉर्वे और भारत मत्स्य पालन, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, समुद्री और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने नॉर्वे में भारतीय प्रवासियों के योगदान की भी प्रशंसा की। वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने ईएफटीए और टीईपीए के संचालन पर भी चर्चा की। दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की, जिनमें उच्च–तकनीकी विनिर्माण, कार्बन कैप्चर स्टोरेज, स्टार्टअप,

सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित क्षेत्र शामिल हैं। सीतारमण ने ओस्लो में व्यापार और उद्योग मंत्री सेसिली मैसरेथ और यहां तक कि मत्स्य पालन और महासागर नीति के राज्य सचिव ट्रॉनस्टैड सेजबक्कन से मुलाकात की। नेताओं ने हरित प्रौद्योगिकी, दुर्लभ पृथ्वी प्रसंस्करण, समुद्री और जहाजरानी उद्योग और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में गहरा सहयोग स्थापित करने और पारस्परिक अवसरों की खोज करने के तरीकों पर चर्चा की।विशेष रूप से भारत के ईएफटीए और टीईपीए समझौतों के संदर्भ में। मैसरेथ ने बताया कि वह और उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। सचिव सेजबक्केन ने नॉर्वे के समुद्री उद्योग में भारत द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका का भी बात की। वित्त मंत्री ने कहा कि टीईपीए का प्रभावी संचालन दोनों पक्षों के लिए पारस्परिक लाभ को बढ़ावा देगा और वह इसके समय पर संचालन की प्रतीक्षा कर रही हैं। सीतारामण ने ओस्लो में नॉर्वे के प्रमुख सीईओ और निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक में भी भाग लिया। नॉर्वे के व्यापार और निवेश समुदाय के 35 से अधिक सीईओ और शीर्ष स्तर के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि नॉर्वे की उनकी आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत को एक निवेश गंतव्य और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में लेकर आकर्षक और सकारात्मक चर्चाएं हुईं। भारत के विस्तारित व्यापार ढांचे – जिसमें ईएफटीए, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ समझौते शामिल हैं – के आलोक में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने भारत में उन परिस्थितियों पर प्रकाश डाला जो व्यापार, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक निवेश के लिए एक टिकाऊ ढांचा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026–27 भारत सरकार के उन सुधारों पर भी जोर देता है जिनका उद्देश्य नागरिकों और कंपनियों के लिए नियामक और अनुपालन संबंधी बोझ को कम करना है।

अमेरिका-ईरान बातचीत में तनाव, JD वेंस बोले- राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें मानने को तैयार नहीं तेहरान

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक बातचीत को लेकर ताजा बयान सामने आया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान अभी तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से तय की गई मुख्य शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि जिनेवा में हुई बातचीत श्कुछ मायनों में ठीक रहीश, क्योंकि दोनों देशों ने आगे भी बैठक जारी रखने पर सहमति जताई है। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने अब तक ट्रंप की प्रमुख शर्तों को स्वीकार नहीं किया है। उनके मुताबिक– राष्ट्रपति ट्रंप ने कूटनीतिक समाधान के लिए कुछ स्पष्ट शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में सबसे बड़ा मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। ईरान अभी इन शर्तों पर खुलकर सहमति देने को तैयार नहीं दिख रहा। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका अभी भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है। लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर बातचीत बेनतीजा रही, तो आगे क्या करना है– इसका फैसला राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे। उनका कहना था, श्हम चाहते हैं कि मामला बातचीत से सुलझे, लेकिन अगर कूटनीति की सीमा खत्म हो जाती है, तो अंतिम फैसला राष्ट्रपति का होगा। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंतित है। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु गतिविधियों पर कड़ी रोक लगाए। वहीं ईरान अपने अधिकारों और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देता रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का दूसरा दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला है। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है।

सैन्य तनाव के बीच जिनेवा में अमेरिका-ईरान न्यूक्लियर वार्ता बेनतीजा, अब आगे क्या होगा?

जिनेवा, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का नया दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है। जिनेवा में ईरान–अमेरिका की परोक्ष वार्ता 3 घंटे चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला। ईरान

ने होर्मुज स्ट्रेट की ओर फायरिंग अभ्यास शुरू कर मिसाइलें दागीं। उसने होर्मुज स्ट्रेट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया, जिससे क्षेत्र में तनाव है। दूसरी तरफ, अमेरिका भी इस इलाके में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। इन हालातों के बीच हुई इस बैठक पर पूरी दुनिया की नजर है। ईरान ने घोषणा की है कि उसके अर्ध सैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने फारस व ओमान की खाड़ी स्थित होर्मुज स्ट्रेट में अभ्यास शुरू कर दिया है। ईरान के अंदर और उसके तट व द्वीप के साथ दागी गई मिसाइलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने लक्ष्यों को भेदा। यह जलमार्ग क्षेत्र महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग है जिससे दुनिया के 20: तेल का परिवहन होता है। उधर, जिनेवा में ईरान सिर्फ परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता के पक्ष में रहा, जबकि अमेरिका घरेलू मुद्दों पर भी चर्चा चाहता है। ईरान का अभ्यास अमेरिकी सैन्य शक्ति के विरोध में है। अमेरिका ने यहां अपने दो विमानवाहक पोत लगा रखे हैं। ईरानी युद्धाभ्यास का एक रेडियो संदेश होर्मुज स्ट्रेट के उत्तरी हिस्से में वहां से गुजरने वाले नौसैनिकों को भी मिला है। ईरान की यह दूसरी चेतावनी थी। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा, शजिनेवा में परमाणु मुद्दे पर हुईघ्परोक्ष वार्ता में प्रगति हुईघ्है, लेकिन अभी किसी स्पष्टता के संकेत नहीं मिले हैं।श अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ, जेरेड कुशनर ने ईरानी विदेश।

अमेरिकी संसद भवन की तरफ हथियार लेकर दौड़ा 18 वर्ष का किशोर, सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

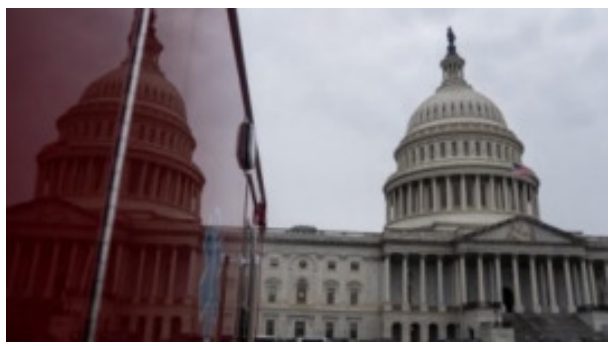

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी संसद भवन (यूएस कैपिटल) की सुरक्षा में उस समय हलचल मच गई जब एक 18 वर्षीय युवक लोडेड शॉटगन के साथ इमारत की ओर बढ़ता हुआ पाया गया। यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस (न्ब्ब्) ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। त्वरित कार्रवाई के चलते घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जॉर्जिया के स्मिर्ना निवासी कार्टर कामाचो के रूप में हुई है। वह मंगलवार दोपहर कैपिटल के लोअर वेस्ट टेरेस की दिशा में हथियार लेकर जा रहा था, तभी ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों की नजर उस पर पड़ गई। अधिकारियों ने उसे रोकते हुए हथियार नीचे रखने और जमीन पर लेटने का आदेश दिया, जिसका उसने पालन किया और उसे बिना किसी प्रतिरोध के हिरासत में ले लिया गया। कैपिटल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी कैपिटल की सीढ़ियों के आधार तक पहुंच गया था, इससे पहले कि उसे पकड़ा गया। मुठभेड़ के दौरान अधिकारियों ने एहतियातन अपने हथियार भी निकाल लिए थे। जांच में पता चला कि आरोपी एक सफेद मर्सिडीज–बेंज एसयूवी से मैरीलैंड एवेन्यू साउथवेस्ट के 100 ब्लॉक तक आया था और वहीं से शॉटगन लेकर बाहर निकला। वाहन से केव्लर हेलमेट, गैस मास्क और अतिरिक्त गोला–बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने यह भी बताया कि वाहन आरोपी के नाम पर पंजीकृत नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक, संदिग्ध टैक्टिकल वेस्ट और टैक्टिकल ग्लव्स पहने हुए था और उसके पास कई राउंड गोलियां भी थीं। उसे गैरकानूनी गतिविधियों, बिना लाइसेंस राइफल रखने, अपंजीकृत हथियार और अपंजीकृत गोला–बारूद रखने जैसे आरोपों में चार्ज किया गया है। फिलहाल कैपिटल पुलिस की थ्रेट असेसमेंट यूनिट उसके मकसद की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमित सुरक्षा अभ्यास और एक्टिव थ्रेट ड्रिल्स की वजह से पुलिस की प्रतिक्रिया तेज और प्रभावी रही। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस घटना का आगामी स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की सुरक्षा व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

'भारत-चीन संबंध में गर्माहट, लेकिन प्रतिस्पर्धा जारी', अमेरिकी संसदीय समिति के सामने विशेषज्ञों का खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संसदीय समिति को मंगलवार को शीर्ष अमेरिकी और भारतीय विशेषज्ञों ने बताया कि चीन का बढ़ता सैन्य प्रभाव, आर्थिक प्रभुत्व और तकनीकी ताकत भारत की रणनीतिक चिंताओं को और बढ़ा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि हाल की कूटनीतिक संबंधों में गर्माहट के बावजूद नई दिल्ली और बीजिंग के बीच प्रतिस्पर्धा जारी है। अमेरिका–चीन आर्थिक एवं सुरक्षा समीक्षा आयोग के सामने गवाही देते हुए शिक्षाविदों, थिंक टैंक के विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों ने कहा कि अक्तूबर 2024 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पीछे हटने की प्रक्रिया से तुरंत तनाव तो कम हुआ, लेकिन भारत और चीन के बीच शक्ति संतुलन में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। समीर लालवानी ने आयोग को बताया कि अनिश्चितता के बावजूद भारत चीन को दुश्मन के रूप में ही देखता रहेगा और क्षेत्रीय, राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी कारणों से चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में उलझा रहेगा। उन्होंने कहा कि सीमा पर अब भी सैन्य गतिविधियां जारी हैं और सैन्य संतुलन चीन के पक्ष में है। लालवानी ने कहा कि तिब्बत और विवादित क्षेत्रों में चीन की ओर से संरचना का निर्माण जारी है, भले ही सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया हो चुकी हो। उन्होंने चेताया कि दलाई लामा के उत्तराधिकार संकट सहित कोई भी राजनीतिक संकट अनजाने में या जानबूझकर बड़े पैमाने पर पारंपरिक युद्ध में तब्दील हो सकता है। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूट की तन्वी मदन ने कहा कि यह मौजूदा ।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

8

लखनऊ शनिवार, 21 फरवरी 2026

विधानसभा में गूंजा किसानों को मुफ्त बिजली का मुद्दा

सरकार किसानों को मुफ्त दे रही हैं बिजली : शर्मा, मंत्री और सदस्यों में हुई नोकझोक

लखनऊ,संवाददाता। यूपी विधानसभा सत्र के दौरान सपा नेता व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बीच किसानों को मुफ्त बिजली देने पर तकरार हो गई। आरोप लगे हैं कि किसानों बिजली मुफ्त देने की बात असत्य है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि 2017 से पहले किसानों को 10 लाख बिजली कनेक्शन दिए गए थे। हमने सिर्फ नौ वर्षों में आठ लाख से ज्यादा बिजली कनेक्शन दिए और किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। मुफ्त बिजली देने का काम सपा सरकार में नहीं योगी सरकार में हुआ है। मंत्री ने कहा कि किसानों के लिए सिंच्चाई की बिजली मुफ्त है। 15,64,219 नलकूप हैं और 10 लाख से किसानों ज्यादा ने पंजीकरण करवाया है। जिन्होंने पंजीकरण नहीं करवाया है उनसे भी बिजली नहीं वसूली जा रही है। किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। शिवपाल की नाराजगी पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अब सत्य कहूंगा और सत्य के अलावा कुछ नहीं

कहूंगा। 2017 में यूपी में 1 करोड़ 80 लाख उपभोक्ता थे और आज 3 करोड़ 72 लाख उपभोक्ता हैं। भारत सरकार ने विद्युत वितरण कंपनियों का सर्वे किया तो सभी कंपनियों के काम में सुधार हुआ है। ट्रांसफॉर्मर जलने की तीव्रता कम हो गई है। इसपर काम जारी है।सपा के डॉ आरके वर्मा ने शायरी के साथ शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन जलने वाला बिजली का ट्रांसफॉर्मर पूछ रहा भाजपा की सरकार से कि मैं कैसे जला? ओवरलोड से जला हूं या घटिया सामग्री से जला हूं या कमिशन की आग से जला हूं? यूपी की जनता कह रही है मंत्री जी के भाषण में करंट 1000 वोल्ट का और जनता के घर पहुंचे अंधेरा कोल्ड स्टोर का। उन्होंने सवाल किया कि बस्तियों में लगे ओवरलोड ट्रांसफॉर्मर और जर्जर विद्युत तार कब ठीक होंगे। इसके बाद एक बार फिर डॉ रागिनी ने सवाल उठाया कि 48 लाख विधवा महिलाओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे या नहीं? इस पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि समाज के सभी लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं हैं। ऊर्जा मंत्री के जवाब पर सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने नाराजगी जताई और कहा कि वो असत्य बोलते हैं। वो कह रहे हैं कि सपा सरकार में कुछ काम नहीं हुआ है। वो अधिक बोल रहे हैं। हमने कोई पाप नहीं किया है। इस पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सपा को साफ होने से कोई नहीं बचा सकता। बचना चाहते हों तो इधर आ जाएं। दिव्यांगजन, वृद्ध और बीपीएल हमारे लिए संवेदनशील विषय हैं। सरकार इन वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य, बिजली और कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध करवा रही है। ऐसे लोगों की संख्या राज्य में करीब 3 करोड़ 72 लाख है जिन्हें कम दाम पर मुफ्त बिजली दी जा रही है। ऊर्जा मंत्री के जवाब पर सपा नेता शिवपाल सिंह ने नाराजगी जताई और कहा कि मंत्री असत्य बोलते हैं कि 2017 के पहले कुछ काम ही नहीं हुआ है।सपा नेता डॉ. रागिनी सोनकर ने ऊर्जा मंत्री से सवाल किया कि क्या सरकार 300 यूनिट फ्री बिजली दिव्यांगजन, वृद्ध, विधवा महिलाओं और बीपीएल को देगी? डॉ रागिनी ने कहा कि सदन में मंत्री का चेहरा अलग है और क्षेत्र में अलग। अधिकारियों को डराते हैं। सदन में अधिकारियों की नाकामी क्यों नहीं गिनवाते हैं। एके शर्मा ने कहा कि अगर कोई भी क्षेत्र विद्युतीकरण से पिछड़ा है तो उसकी जानकारी दी जाए जिससे वहां भी बिजली आपूर्ती करवाई जाए। जगदीश नारायण ने सवाल उठाया कि बिजली की आपूर्ती ठीक से नहीं हो पा रही है इसको निपटाने के लिए क्षेत्रों को चिन्हित करने का कार्य कैसे करते हैं? इस पर मंत्री ने जवाब दिया कि जनता की मांग और खपत के अनुसार चिन्हित किया जाता है। साथ ही भविष्य की मांग के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होता है।

अभ्यर्थियों ने आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट भर्ती को लेकर मंत्री आवास घेरा

लखनऊ,संवाददाता। वर्ष 2024 की आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट भर्ती में हो रही देरी को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने लखनऊ स्थित मंत्री डॉ. दया शंकर मिश्र 'दयालु' के आवास का घेराव किया। अभ्यर्थियों ने शीघ्र सुनवाई और भर्ती प्रक्रिया के निस्तारण की मांग को लेकर नारेबाजी की। सरकार से ठोस पहल करने की अपील की। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया कोर्ट केस के कारण अटकी हुई है और अब तक 51 तारीखें लग चुकी हैं। लगातार बढ़ती तारीखों से अभ्यर्थियों में भारी नाराजगी है। उनका आरोप है कि सरकारी पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी न होने के कारण मामला लंबित चल रहा है, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से तैयारी कर रहे युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। कई अभ्यर्थियों की आयु सीमा भी प्रभावित हो रही है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। अभ्यर्थियों के मुताबिक, प्रदेश में आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट के लगभग 60 प्रतिशत पद खाली हैं। सरकार की ओर से 1002 पदों पर भर्ती निकाली गई थी, जबकि कुल स्वीकृत पद करीब 2100 हैं। इनमें से लगभग 1200 पद अब भी रिक्त पड़े हैं। उनका कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर पद खाली होने से आयुष और स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर पड़ रहा है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में दवाओं के वितरण और फार्मेसी संचालन की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने मांग की कि कोर्ट में बेंच–वाइज निर्णय कराकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो तो सरकार उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के माध्यम से लिखित परीक्षा आयोजित कर भर्ती प्रक्रिया पूरी कराए। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए इस मामले में प्राथमिकता से हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि लंबित भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूरी हो सके और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिल सके।

बसपा प्रमुख मायावती यूपी में अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनाव, गठबंधन को बताया फेक न्यूज

लखनऊ,संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आगामी विधानसभा चुनाव गठबंधन में लड़ने की खबरों को गुमराह करने की नीयत से फैलायी जा रही फेक न्यूज करार देते हुए बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी अगला चुनाव अपने बलबूते ही लड़ेगी। मायावती ने यहां कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से यह खबरें फैलायी जा रही है कि बसपा उत्तर प्रदेश में पार्टी विधानसभा का होने वाला अगला चुनाव गठबंधन में लड़ेगी। इसकी आम चर्चा है जो विशुद्ध रूप से लोगों को गुमराह करने की नीयत से फैलायी जा रही फेक न्यूज है। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल गलत, झूठ, हवा–हवाई एवं मनगढ़ंत खबर है। ऐसे में नेताओं के साथ–साथ मीडिया को भी इस प्रकार की खबरों से बचना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि वह अपनी पार्टी द्वारा अपने बलबूते पर चुनाव लड़ने के बारे में कई बार सार्वजनिक तौर पर ऐलान कर चुकी हैं और खासतौर से नौ अक्टूबर 2025 को बसपा के जन्मदाता एवं संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के मौके पर लखनऊ में आयोजित महारैली में भी इसकी खुली घोषणा की जा चुकी है। अब ऐसी किसी भी चर्चा या बहस की कोई गुंजाइश नहीं बची है। हालांकि, साजिश के तहत कुछ लोग और मीडिया का एक वर्ग इस तरह की फर्जी खबरें फैला रहा है। इसे बसपा विरोधी हथकंडा ही माना जाएगा जिस पर लोगों को ध्यान देने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। मायावती ने कहा कि बसपा कार्यकर्ताओं को यह अच्छी तरह मालूम है कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सोच संकीर्ण है। साथ ही, परम पूज्य बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का विरोधी होने के कारण इनका आंबेडकरवादी होना तथा बसपा से गठबंधन करने की नीति केवल चुनावी स्वार्थ है। गठबंधन करने से बसपा को केवल नुकसान ही होता है, इसीलिए बसपा के लोग 2027 का विधानसभा चुनाव अकेले ही पूरे जी जान से लड़ेंगे। मायावती ने दिल्ली में उन्हें आवंटित टाइप–आठ बंगला मामले में सफाई देते हुए कहा कि बसपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते सुरक्षा खतरे के चलते उन्हें पूर्व में भी ऐसा बंगला आवंटित किया जाता रहा है। इसलिये इस मामले पर किसी तरह की अनर्गल बातें और राजनीति ना की जाए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा, जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आएगा तो साम–दाम–दंड–भेद आदि।

शिक्षा और स्वास्थ्य सबको सुलभ होना चाहिए : डॉ. मोहन भागवत

लखनऊ,संवाददाता। शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकता है। यह व्यवसाय का काम नहीं हो सकता है। यह सबके लिए सुलभ होना चाहिए। ये बातें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शोधार्थी संवाद कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि पश्चिम के लोगों ने शिक्षा के साथ खिलवाड़ किया। हमारी शिक्षा व्यवस्था हटाकर अपनी थोपी। जिससे उन्हें काम करने के लिए अंग्रेजी बाबू मिल जाए। अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा उसको ठीक करना होगा। सरसंघचालक ने कहा कि संघ का कार्य देश को परम वैभव सम्पन्न बनाना है। मैं और मेरा परिवार, यह न सोचकर पूरे देश के लिए सोचना होगा। संघ समाज की एकता और गुणवत्ता की चिन्ता करता है। संघ को समझना है तो

संघ के अन्दर आकर कर देखिये। संघ को पढ़कर नहीं समझा जा सकता है। संघ सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने का एक ही काम करता है। संघ किसी के विरोध मे नहीं है। संघ को लोकप्रियता, प्रभाव और शक्ति नहीं चाहिए। भारत की दिशा और दशा बदलने में शोध की बड़ी भूमिका है। सत्य परक बातें सामने आनी चाहिए। अज्ञानता से भारत को हम समझ ही नहीं पाएंगे। सरसंघचालक जी ने शोधार्थियों से कहा कि जो भी शोध करें उसे उत्कृष्ट रूप से, प्रामाणिकता पूर्वक, तन–मन–धन से, निःस्वार्थ भाव से देश के लिए करें। संघ को लेकर बहुत दुष्प्रचार होता है। शोधार्थियों को सत्य सामने लाना चाहिए। वैश्वीकरण पर बात करते हुए सरसंघचालक ने कहा कि यह कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं है। आज वैश्वीकरण का मतलब बाजारीकरण से है, जो खतरनाक है। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं है। हम वसुधैव कुटुम्बकम की बात करते हैं यानी पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। जब तक सब सुखी नहीं होंगे, एक भी व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता है इसलिए हमारा जीवन संयमित होना चाहिए, उपभोगवादी नहीं होना चाहिए। संयम, त्याग का जीवन हमारे संस्कृति आत्मबोध में है। पश्चिमी देशों ने जड़वाद फैलाया। उन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और बाकी को छोड़ दो, जो बाधक बने उन्हें मिटा दो। यही काम आज अमेरिका, चीन कर रहे हैं लेकिन आज दुनियाभर की समस्याओं के प्रश्नों का उत्तर भारत के पास है। विश्व गुरु बनना है तो सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनाना होगा। दुनिया तभी मानती है जब सत्य के पीछे शक्ति हो। सरसंघचालक ने कहा कि धर्म का शाश्वत स्वरूप सदैव प्रासंगिक है। सृष्टि जिन नियमों से चलती है वह धर्म है। धूल का एक भी कण धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता है। धर्म सबको सुख पहुँचाता है। हमारी सभी बातों में धर्म लागू है। आचरण धर्म, देश, काल के अनुसार बदलता रहता है। धर्म बताता है कि हमें अकेले नहीं सबके साथ जीना है। पर्यावरण के विषय पर सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हम लोगों को मित्र भाव से जीवन को जीना चाहिए। पेड़ लगाना, पानी बचाना, प्लास्टिक का प्रयोग न करना जैसे कार्य पर्यावरण संरक्षण में सहायक हो सकते हैं। हमें आधुनिक तकनीक का भी पर्यावरण संरक्षण में उपयोग करना चाहिए।

विधानसभा में गूंजा मुफ्त बिजली और शिक्षा मित्रों के मानदेय का मुद्दा

सपा विधायक अतुल प्रधान और मंत्री के बीच हुई नोकझोंक शिवपाल बोले–झूठ बोलते हैं बिजली मंत्री

लखनऊ,संवाददाता। यूपी असेम्बली के बजट सत्र के आठवें दिन आज बुधवार को काफी गहमागहमी रही। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने जनप्रतिनिधियों की गरिमा

और अफसरों की मनमानी का मुद्दा जोरशोर से उठाया। विधायकों की शिकायत थी कि जिले के प्रशासनिक अधिकारी और पुलिसकर्मी उनका फोन तक रिसीव नहीं करते, जिससे जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस गंभीर विषय पर हस्तक्षेप करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कड़ा रुख अपनाया और स्पष्ट निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अधिकारी न केवल विधायकों का फोन उठाएं, बल्कि उन्हें उचित सम्मान भी दें। सदन में आज किसानों की बिजली, शिक्षा मित्रों का भविष्य और सड़कों की हालत जैसे मुद्दों पर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली।विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों पर विधायकों का सहयोग करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। सदन में चर्चा के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान ने किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली न मिलने का मामला उठाया।दोनों के बीच कुछ तनातनी भी हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों में पांच लाख किसानों को इस योजना से बाहर कर दिया गया है। इस पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सफाई देते हुए कहा कि जिन किसानों ने पंजीकरण नहीं कराया है, केवल उन्हें ही लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस दौरान विधायक द्वारा मंत्री को श्झूठाश कहे जाने पर स्पीकर ने आपत्ति जताई और शब्द को कार्यवाही से निकालने का निर्देश दिया।सदन में शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों की बदहाली का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। सपा विधायक ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि 10 साल से शिक्षा मित्र लाचार हैं और कम मानदेय के कारण कई लोग आत्महत्या कर चुके हैं। जवाब में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार ने शिक्षा मित्रों का मानदेय 3500 से बढ़ाकर 10 हजार किया है और उन्हें कैशलेस चिकित्सा सुविधा से भी जोड़ा गया है। इसी बीच, चाचा शिवपाल यादव ने मंत्री एके शर्मा पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्री जी ऐसे बात कर रहे हैं जैसे 2017 से पहले कोई काम ही नहीं हुआ। अध्यक्ष ने मजाकिया लहजे।

संक्षिप्त समाचार

टीचरों ने बच्चों पर फूल बरसाए,यूपी बोर्ड 10वीं–12वीं की परीक्षाएं शुरू

लखनऊ,संवाददाता। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गईं। पहले दिन दोनों कक्षाओं की हिंदी विषय की परीक्षा है। सुबह 8.30 से 11.45 बजे तक हाईस्कूल का पेपर हुआ। दोपहर 2 बजे से इंटरमीडिएट की परीक्षा शुरू हो गई है। यह परीक्षा शाम 5.15 बजे तक चलेगी। परीक्षा केंद्रों पर बच्चों पर फूल बरसाए गए। तिलक लगाया गया। मिठाई–टॉफी खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया गया। जियामऊ स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने परीक्षा से पहले छात्राओं का स्वागत किया। हाईस्कूल की परीक्षा देकर निकले छात्रों ने बताया कि प्रश्नपत्र आसान था। पेपर बहुत अच्छा गया। बोर्ड परीक्षा को लेकर जो डर था, वह अब खत्म हो गया। लखनऊ में आदर्श कारागार समेत 121 केंद्रों पर 1 लाख 3 हजार 88 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। तीन स्तर पर पहरेदारी के लिए पुलिस के अलावा सात जोनल, 11 सेक्टर और 121 स्टैटिक मजिस्ट्रेट व 121 केंद्र और इतने ही बाह्य केंद्र व्यवस्थापक और 3600 कक्ष निरीक्षक लगाए गए हैं।

लखनऊ में अग्निवीर भर्ती में दौड़ते-दौड़ते 3 लड़कियां बेहोश,लॉन्ग जंप में एक लड़की के पैर में मोच

लखनऊ,संवाददाता। महिला अग्निवीर भर्ती रैली में दौड़ते–दौड़ते 3 अभ्यर्थी गिरकर बेहोश हो गईं। लॉन्ग जंप के दौरान एक अन्य अभ्यर्थी के पैर में मोच आ गई। सभी को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। अभ्यर्थियों को 8 मिनट में 1600 मीटर की दौड़ पूरी करनी थी। 8 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी करने पर ग्रेड–वन और 8 मिनट में पूरी करने पर ग्रेड–टू दिया गया। दौड़ में सफल अभ्यर्थी 3 फीट हाई जंप और 10 फीट लॉन्ग जंप के लिए क्वालिफाई किया। हाई जंप और लॉन्ग जंप में अभ्यर्थियों को 3–3 चांस दिए गए। भर्ती रैली लखनऊ छावनी स्थित एएमसी सेंटर एंड कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में हुई। इसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की करीब 1000 अभ्यर्थी हिस्सा लिया। इस रैली में वही अभ्यर्थी शामिल हुईं, जिन्होंने जुलाई 2025 में ऑनलाइन सीईई परीक्षा पास की थी। उन्हें पहले ही ईमेल के जरिए एडमिट कार्ड भेजे गए थे। पहले स्टॉपवॉच के थ्रू टाइमिंग नोट की जाती थी लेकिन अब कमरे में लगे हुए डिजिटल क्लॉक के थ्रू होता है। पहले हाथ में आईडी कार्ड लेकर बच्चे दौड़ते थे लेकिन अब उनके हाथ में रिश्ट बैंड लगाया जा रहा है, जिससे उनका यूनिक नंबर रहता है। अभ्यर्थियों को आर्मी द्वारा शर्ट दी जा रही है जिस पर यूनिक नंबर लिखा रहता है।पूरे कैंपस में 50 से 60 इंटीग्रेटेड कैमरे लगाए गए हैं।

यूपी बोर्ड में 53 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल, सीएम योगी आदित्यनाथ ने छात्रों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ,संवाददाता। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा प्रणाली माने जाने वाले उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गई हैं। परीक्षाएं 12 मार्च तक चलेंगी। वर्ष 2026 की इन परीक्षाओं में हाईस्कूल के 27,61,696 और इंटरमीडिएट के 25,76,082 परीक्षार्थी शामिल हुए हैं। कुल मिलाकर 53,37,778 छात्र–छात्राएं परीक्षा देंगे। सीएम योगी ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में शामिल हो रही सभी छात्र छात्रों को बधाई दी उन्होंने लिखा कि मेरे प्रिय विद्यार्थियो, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं कल से प्रारंभ हो रही हैं। आप सभी को मेरा शुभाशीष। परीक्षाएं केवल आपकी शैक्षणिक योग्यता का मूल्यांकन नहीं हैं, बल्कि यह आपके धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। पूर्ण विश्वास है कि आपने वर्ष भर जो कठिन परिश्रम किया है, उसका सकारात्मक परिणाम आप सभी को अवश्य प्राप्त होगा। माँ सरस्वती की कृपा आप सभी पर बनी रहे। पहले दिन हाईस्कूल की हिंदी एवं प्रारंभिक हिंदी की परीक्षा प्रथम पाली में आयोजित की गई, जबकि इंटरमीडिएट की हिंदी एवं सामान्य हिंदी की परीक्षा द्वितीय पाली में हुई। परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 8.30 से 11.45 बजे तथा दोपहर 2.00 से 5.15 बजे तक संचालित की जा रही हैं। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं कुल 15 कार्य दिवसों में संपन्न कराई जाएंगी। प्रदेश भर में परीक्षाओं के लिए 8,033 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा कराई जा रही है। बोर्ड ने 18 जिलों को संवेदनशील घोषित करते हुए 222 अति–संवेदनशील और 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिन्हित किए हैं। इनमें से 20 अति–संवेदनशील केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं। नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और यूपी एसटीएफ की भी सहायता ली जा रही है। संवेदनशील केंद्रों की प्रतिदिन कम से कम दो बार जांच की जाएगी। नकल में पकड़े जाने पर परीक्षार्थी को एक वर्ष के लिए डिबार किया जाएगा, जबकि शिक्षक या अन्य व्यक्ति की संलिप्तता पाए जाने पर यूपी सरकार के नकल विरोधी कानून के तहत सात वर्ष तक की सजा और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यूपी बोर्ड द्वारा ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यापक व्यवस्था की गई है। प्रदेश मुख्यालय पर दो कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाए गए हैं, जबकि बोर्ड मुख्यालय में अलग से कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से 18 मंडलों, 75 जिलों, पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों और जिला स्तर पर डीआईओएस कार्यालयों से परीक्षा केंद्रों व स्ट्रांग रूम की 24 घंटे लाइव निगरानी की जा रही है।

विधानसभा में उछला शिक्षामित्रों का मामला

लखनऊ,संवाददाता। यूपी विधानसभा के सत्र के दौरान आज शिक्षामित्रों के मानदेय में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाया गया। अल्प मानदेय में उनके सामने परिवार पालने का संकट है।शिक्षकों के समान कार्य करने के बावजूद सिर्फ10 हजार पर निर्भर है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने इस पर जवाब दिया कि बेसिक शिक्षा विभाग के लिए शिक्षामित्रों की सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षामित्रों की ग्राम पंचायतों में तैनाती को लेकर कहा कि अभी प्रदेश में एसआईआर का काम जारी है जिसमें शिक्षामित्र अपना दायित्व निभा रहे हैं। एसआईआर का काम पूरा होते ही उनकी ग्राम पंचायतों में तैनाती हो जाएगी। इस संबंध में हमारी सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। शिक्षामित्रों, शिक्षकों और अनुदेशकों को पांच लाख तक के कैशलेस इलाज की मांग को भी सरकार ने मंजूर कर लिया है।

संरक्षक नागेन्द्र सिंह चौहान ,स्वामी प्रकाशक व मुद्रक फलक खान द्वारा साइ आफसेट प्रिन्टर्स 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे कैसरबाग से मुद्रत होकर 24/298 जय प्रकाश नगर नियर कल्याण भवन प्रयाग नारायण रोड, से प्रकाशित। सम्पादक जमील अहमद मो0 9236108786 Email: aagaaz.times@gmail.com

नोट : आगाज़ टाइम्स साप्ताहिक समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है प्रकाशित हुये लेख/समाचारों में ,विचार व्यक्तिगत रूप से लेखकों के है। इनसे सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। किसी भी विवाद कि स्थिति उत्पन्न होने पर केवल न्यायालय ही मान्य होगा।